संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 130
पृष्ठ 8
गुरूवार
29 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आपको भी है गेंहू से एलर्जी तो...

विचार- हम भारत के लोग और हमारी...

खेल- क्या बांग्लादेश के हटने से 17.6 करोड़...

संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन,कहा-

रिफॉर्म्स एक्सप्रेस के रास्ते पर सरकार, लोगों की आय बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने देश की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा, संसद के इस सत्र को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पिछला वर्ष भारत की तीव्र प्रगति और विरासत के उत्सव के रूप में यादगार रहा। पूरे देश में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। नागरिक बंकिम चंद्र चटर्जी को उनकी इस महान प्रेरणा के लिए नमन कर रहे हैं। मैं सभी सांसदों को बधाई देती हूं कि संसद में इस विषय पर विशेष चर्चा हुई। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, देश ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया। वहीं, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही आदिवासी समुदाय के प्रति उनके योगदान को याद किया। सरदार पटेल की 150वीं जयंती से संबंधित कार्यक्रमों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत किया। पूरे देश ने देखा कि भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह ने देश को संगीत और एकता की भावना से भर दिया। जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जिससे विकसित भारत की ओर हमारा सफर और भी तेज हो जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया है भय कहूं को देत नेहन नेहन भय मानत आन। इसका अर्थ है कि हमें न तो किसी को डराना चाहिए और न ही किसी से डरना चाहिए। इसी निडर मन और भावना के साथ हम देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग जिम्मेदारी और बुद्धिमत्ता के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता देखी। अपने संसाधनों से हमारे देश ने आतंकवाद के गढ़ों को नष्ट किया। मेरी सरकार ने यह कड़ा संदेश दिया है कि भारत पर होने वाले सभी हमलों का जवाब मजबूत और निर्णायक होगा। सिंधु जल संधि को स्थगित रखा गया है। यह आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई का एक हिस्सा है। देश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र पर भी काम चल रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, वर्ष 2026 के साथ हमारा देश इस शताब्दी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। भारत के लिए, इस शताब्दी के पहले 25 वर्षों का अंत कई सफलताओं, गौरवपूर्ण उपलब्धियों और असाधारण अनुभवों से भरा रहा है। पिछले 10–11 वर्षों में, भारत ने हर क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत की है। यह वर्ष विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत–ग्राम विकास कानून बनाया गया है। इस नए सुधार से गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी होगी। इस दौरान एनडीए– भाजपा सांसदों ने तालियां बजाकर अपनी सराहना व्यक्त की। वहीं विपक्षी सांसद खड़े होकर विरोध जताते हुए कानून को वापस लेने की मांग करने लगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, मेरी सरकार की प्रगतिशील सोच और नीतियों के फलस्वरूप, देश के हर महत्वाकांक्षी क्षेत्र में महिलाओं ने तेजी से प्रगति की है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का प्लेन क्रैश में निधन

- बारामती में लैंडिंग के दौरान गिरकर खाक, सभी 5 सवार मारे गए
- अंतिम संस्कार आज

महाराष्ट्र के बारामती हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह हुए भीषण विमान हादसे में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत हो गई। विमानन महानिदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस हादसे की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि लियरजेट 45 श्रेणी का चार्टर्ड विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं बचा।

न्यूज एजेंसी ।छप और च्ज् के मुताबिक, यह विमान मुंबई से बारामती जा रहा था और सुबह करीब 8:45 से 8:50 बजे के बीच बारामती एयरपोर्ट पर उतरते समय हादसे का शिकार हुआ। हादसे के तुरंत बाद विमान में भीषण आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर खाक हो गया। क्ळब्। अधिकारी ने बताया कि हादसे के समय विमान में कुल पांच लोग सवार थे। इनमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उनके एक पीएसओ, एक फ्लाइट अटेंडेंट और दो क्रू मेंबर शामिल थे। क्रू में पायलट–इन–कमांड और फर्स्ट ऑफिसर मौजूद थे। अधिकारी ने कहा, "प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस हादसे में विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं बच पाया है।" क्ळब्। की एक टीम तुरंत दुर्घटनास्थल के लिए रवाना कर दी गई है और हादसे की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं। ब्लैक बॉक्स और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर की मदद से यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि दुर्घटना तकनीकी खराबी, मौसम, रनवे से जुड़ी समस्या या मानवीय चूक के कारण हुई।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिया विकास और मानवता का संदेश

- उप मुख्यमंत्री पवार के निधन पर जताया शोक

सिद्धार्थनगर,संवाददाता। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजित पवार के विमान दुर्घटना में निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कृति है और मानवीय गरिमा, सुरक्षा व समानता का भाव समाज को आगे बढ़ाता है। उन्होंने भगवान बुद्ध के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि कपिलवस्तु, गया, सारनाथ और श्रावस्ती से उनका संदेश आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक है। भगवान बुद्ध की पावन जन्मभूमि सिद्धार्थनगर में आयोजित सिद्धार्थनगर महोत्सव का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष और इटवा के विधायक कमाता प्रसाद पांडेय तथा सांसद जगदंबिका पाल भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह भूमि केवल ऐतिहासिक महत्व की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को करुणा, मैत्री और मानव गरिमा का संदेश देने वाली पवित्र धरती है। उन्होंने जनपदवासियों, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन को महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजित पवार के विमान दुर्घटना में निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कृति है और मानवीय गरिमा, सुरक्षा व समानता का भाव समाज को आगे बढ़ाता है। उन्होंने भगवान बुद्ध के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि कपिलवस्तु, गया, सारनाथ और श्रावस्ती से उनका संदेश आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक है।

विकास के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के योजनाओं को लागू कर रही है। राशन, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया जा रहा है। यही समग्र और सतत विकास की अवधारणा है, जिसे रामराज्य की आधुनिक संकल्पना कहा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थनगर की कनेक्टिविटी, नेपाल से अंतरराष्ट्रीय संपर्क, कपिलवस्तु में विपश्यना केंद्र और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, फूट-फूट कर रोई सुप्रिया सुले

मुंबई,एजेंसी। बारामती में मंगलवार सुबह हुए विमान हादसे ने महाराष्ट्र की राजनीति और पवार परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया। इस हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन की खबर फैलते ही माहौल गमगीन हो गया। परिवार से मिलने पहुंचीं एनसीपी–एससीपी सांसद सुप्रिया सुले और अजित पवार की पत्नी व राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार खुद को संभाल नहीं सकीं और फूट–फूट कर रो पड़ीं। बारामती में हर चेहरा शोक और सन्नाटे से भरा दिखा। सुबह के समय अजित पवार जिस चार्टर्ड विमान से बारामती आ रहे थे, वह लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों के अनुसार यह एक क्रैश लैंडिंग थी, जिसमें विमान को गंभीर क्षति पहुंची और अजित पवार का निधन हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और आपदा राहत टीमें मौके पर पहुंचीं। इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई, जबकि पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे के बाद सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार बारामती में पवार परिवार के सदस्यों से मिलने पहुंचीं।

एनसीसी की रैली में बोले पीएम मोदी

भारत के युवाओं में कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की भावना को दर्शाता है

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार (28 जनवरी) को राजधानी दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) पीएम रैली में शामिल हुए। पीएम मोदी के साथ इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे। सभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने अजित पवार को श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, श्आज सुबह महाराष्ट्र में एक दुखद विमान हादसा हुआ है। इस हादसे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार जी और हमारे कुछ दोस्तों को हमसे छीन लिया है। अजीत दादा ने महाराष्ट्र और देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने हमेशा सक्रिय होकर काम किया। मैं अजीत पवार जी के परिवार और आज जान गंवाने वाले अन्य लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए अपने भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि, मैं यहां मौजूद सभी कैडेट्स और मित्र देशों से आए कैडेट्स और अधिकारियों का अभिनंदन करता हूं। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। NCC एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है। अनुशासित बनाता है। संवेदनशील बनाता है और राष्ट्र के लिए समर्पित बनाता है। यह आयोजन एक महीने तक चलने वाले वार्षिक एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर के समापन का प्रतीक है। जिसमें देश भर से 2406 कैडेट्स ने हिस्सा लिया है, जिसमें 898 लड़कियां भी शामिल थीं। प्रधानमंत्री की रैली का विषय राष्ट्र प्रथम–कर्तव्य निष्ठा युवा है, जो भारत के युवाओं में कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की भावना को दर्शाता है।

दरअसल, यह रैली एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 के भव्य समापन का प्रतीक है, जिसका औपचारिक उद्घाटन 5 जनवरी को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया था। एनसीसी ने 3 जनवरी को घोषणा की थी कि इस वर्ष देश भर से 898 लड़कियों सहित 2,406 एनसीसी कैडेट वार्षिक शिविर में भाग ले रहे हैं।

समुद्री किनारों पर ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के खतरों से यूं निपटेगी सीआईएसएफ

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के समुद्री किनारों पर ड्रग्स, हथियार और विस्फोटकों की तस्करी के खतरों से निपटने के लिए सीआईएसएफ ने अनूठी योजना बनाई है। इस तरह की सूचना, सीआईएसएफ को समय रहते मिल जाए, इसके लिए तटीय समुदायों को मददगार बनाया जाएगा। इसके लिए सीआईएसएफ श्वंदे मातरम् तटीय साइक्लोथॉनद्2026श आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को नई दिल्ली में स्थित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में वर्चुअल माध्यम से इस साइक्लोथॉन का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 25 दिन के इस विशाल राष्ट्रीय अभियान में सीआईएसएफ की दो साइक्लिंग टीमें, एक साथ बक्कखाली (पश्चिम बंगाल) एवं लखपत (गुजरात) से रवाना हुईं हैं। ये टीमें देश के पूर्वी एवं पश्चिमी तटों से लगते क्षेत्रों में लगभग 6,500 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी। नौ तटीय राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरने वाला यह साइक्लोथॉन 22 फरवरी को कोच्चि में समाप्त होगा। सीआईएसएफ के मुताबिक, कोस्टल साइक्लोथॉन–2026 का लक्ष्य, तटीय समुदायों को ड्रग्स, हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी जैसे खतरों के बारे में जागरूक करना है। समुद्री किनारों पर सतर्कता को लेकर तटीय समुदायों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस कोस्टल साइक्लोथॉन के जरिए एक मजबूत तटीय सुरक्षा नेटवर्क बनेगा। इसके माध्यम से तटीय समुदायों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच साझेदारी को मजबूत करना है। स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों, सुरक्षा कर्मियों और उनके परिवारों के बलिदानों का सम्मान करके वंदे मातरम की भावना को सुदृढ़ करना है।

भारत की समृद्ध समुद्री विरासत, परंपराओं, इतिहास और भूगोल का जश्न मनाना, तटीय समुदायों, विशेष रूप से मछुआरों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करना है। युवाओं एवं तटीय समुदायों में फिटनेस, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह पहल मछुआरों सहित तटीय समुदायों की भूमिका को देश के श्तट प्रहरीश के रूप में विशेष रूप से रेखांकित करती है। यात्रा के दौरान साइक्लोथॉन, 52 तटीय गांवों में रुकेगा, जिन्हें सीआईएसएफ द्वारा एक वर्ष तक सतत सहभागिता के लिए गोद लिया जाएगा। ओएनजीसी, पत्तन प्राधिकरणों और अन्य एजेंसियों के सहयोग से स्थानीय सीआईएसएफ इकाइयां, सीएसआर के अंतर्गत सामुदायिक कल्याण एवं बुनियादी ढांचे से संबंधित गतिविधियाँ संचालित करेंगी।

देश शर्मिंदा है: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र के स्थगित होने के बाद, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सत्र के दौरान विपक्ष के कृत्य की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने संसद में जो व्यवहार किया, उससे देश को शर्म आनी चाहिए। रिजिजू ने कहा कि राष्ट्रपति के दोनों सदनों को संबोधित करते समय विपक्ष ने जो किया, उससे देश को शर्म आनी चाहिए। देश कांग्रेस और उसके सहयोगियों को कभी माफ नहीं करेगा।

सत्र के दौरान विपक्ष के व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि क्या कोई जिम्मेदार सांसद ऐसा व्यवहार कर सकता है? जब वंदे मातरम की 150वीं जयंती का जिक्र हो रहा था और बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि दी जा रही थी, तब पूरा विपक्ष हंगामा करने लगा।

चार के विरुद्ध पशु क्रूरता की प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। पुलिस ने मंगलवार की भोर हाईवे संख्या 30 पर कार्रवाई करते हुए वध के लिए ले जाए जा रहे पशुओं को दो ट्रक से बरामद कया है। दोनों ट्रकों से कुल 20 मवेशी बरामद किए गए हैं। मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

घूरपुर थाना क्षेत्र की गौहनिया चौकी के प्रभारी अनुराग सिंह और दारोगा विजय गुप्ता मंगलवार तड़के हमराहियों के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान रीवा की ओर से आ रहे दो संदिग्ध ट्रकों को रोका गया। जांच करने पर पाया गया कि ट्रकों में भैंस और पड़वा को अमानवीय तरीके से बांधकर रखा गया था।

पुलिस दोनों ट्रकों को थाने ले आई, जहां सभी मवेशियों को सुरक्षित उतार लिया गया। इस दौरान सलीम खान निवासी कोराव, हाशिम निवासी मुंडेरा नीम सराय थाना धूमनगंज, सुनील कुमार निवासी मलाका विदुरा थाना सैनी (कौशाम्बी) और दिनेश कुमार पुत्र बच्चे लाल निवासी धारूपुर, नरसिंहपुर कछुवा सैनी (कौशाम्बी) को पकड़ा गया।

दिव्यांग बेटे की शादी कराने के नाम पर परिवार से ठगी

प्रयागराज। हरियाणा के एक परिवार के साथ मऊआइमा के आरोपियों ने शादी कराने के नाम पर लाखों की ठगी कर के फरार हो गया। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीरर दी है।

हरियाणा के झज्जर के लडरावण निवासी शीला देवी पत्नी राजे का बेटा राहुल दोनों पैरों से दिव्यांग है। शीला का कहना है कि मऊआइमा के एक युवक ने मोबाइल से कहा कि वह उसके बेटे की शादी एक युवती के साथ करा देगा। इसके लिए डेढ़ लाख नकदी, सोने–चांदी के आभूषण आदि लेकर मऊआइमा आना होगा। राहुल को लेकर परिवार मऊआइमा आया और मोबाइल से शादी की बात करने वाले युवक से मिला। बताया गया है कि परिवार को सोमवार को आरोपी उसे लेकर एक अंजान घर में ले गया। वहां कुछ महिलाएं मौजूद थीं। इस दौरान झांसा देकर आरोपी डेढ़ लाख रुपये नकदी, सोने– चांदी के आभूषण तथा कपडा आदि लेकर फरार हो गया। ठगी के शिकार परिवार ने मऊआइमा थाने में तहरीर दी है।

फर्जी सचिव बन पुलिस पर दबाव बनाने थाना पहुंचा युवक, चालान

प्रयागराज। एक युवक सोमवार रात खुद को एक बड़े नेताजी का सचिव बताकर पुलिस पर दबाव बनाने थाना पहुंचा गया। पुलिस ने जांच की तो युवक फर्जी निकला। इसके बाद आरोपी का चालान कर एसीपी कोर्ट भेज दिया गया।

नवाबगंज थाना में एक युवक नेताजी का सचिव बनकर पहुंचा और इंस्पेक्टर से फरार आरोपी के पक्ष में सिफारिश करने लगा। बताया जा रहा है कि हाल ही में नवाबगंज पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया था, जिसमें एक आरोपी फरार चल रहा था। उसी आरोपी के पक्ष में दबाव बनाने के लिए युवक थाने पहुंचा था। पुलिस ने जब उसकी पहचान व दस्तावेज की जांच की तो युवक फर्जी निकला।

आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के विकास मौर्य निवासी पचदेवरा के रूप में हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसके खिलाफ लिखापढ़ी कर एसीपी कोर्ट भेज दिया। वहीं इंस्पेक्टर नवाबगंज राघवेन्द्र सिंह का कहना है कि कानून से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

ट्रेन के आगे कूदकर अधेड़ ने दी जान

प्रयागराज। क्षेत्र के गांव बीकर का अधेड़ सोमवार को शाम पांच बजे प्रयागराज–मुंबई हावड़ा लाइन पर मालगाड़ी के आगे कूदकर जान दे दी। मौके पर पहुंची घूरपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। द्वारिका प्रसाद निषाद (52) पुत्र स्व. गणेश प्रसाद निषाद ट्रक ड्राइवर था। बीते सोमवार को वह घूरपुर बाजार जाने की बात कहकर घर से पैदल ही निकला था। घूरपुर बाजार पहुंचने के बाद रेलवे ट्रैक पर कूद कर जान दे दी। सूचना मिलने पर पत्नी सरिता देवी बिलखने लगी। मृतक के तीन बेटे परमानंद, शिवानंद और दयानंद।

विवाद में व्यक्ति ने लगाया बच्चे को इंजेक्शन, गंभीर

प्रयागराज। माधोपुर उर्फ सधनगंज गांव में मंगलवार को सुबह बच्चे आपस में खेल रहे थे। इस दौरान बच्चों ने आपस में मारपीट कर लिया। आरोप है कि यह देख एक बच्चे के मां बाप ने दूसरे बच्चे के पिटाई करते हुए श्रेयांश को उठा ले गए। इसके बाद उसके कमर पर जहरीला इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया। इस दौरान श्रेयांश के पिता संतोष कुमार प्रजापति ने आरोपियों के विरुद्ध सोरांव थाने में तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है।

दो बाइक की भिड़ंत, महिला की मौत

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र में हकीम पट्टी गांव के समीप जीटी रोड पर दो बाइक की भिड़ंत में सवार महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। सैदाबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोमवार को चेहरा गांव निवासी थाना जिगना जनपद मिर्जापुर की वंदना (35) पत्नी आनंद उतराव थाना क्षेत्र के मुरलेपुर गांव निवासी सोनू कुमार के यहां सगाई समारोह में आई थी। सगाई के बाद आशीष के साथ बाइक से घर लौट रही थी। हकीम पट्टी में सामने से आ रही दूसरी बाइक में टक्कर हो गई। इस दौरान अस्पताल ले जाते समय महिला की मौत हो गई।

भटौती सपहा चेकडैम में डूबने से अधेड़ की गई जान

प्रयागराज। भटौती सपहा चेकडैम में डूबने से मंगलवार को एक अधेड़ की जान चली गई। वह पहाड़ से लकड़ी काटकर घर लौट रहा था कि चेकडैम को पार करने के दौरान उसका पैर फिसल गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मेजा थाना क्षेत्र के भटौती (शांति नगर) के रामकृपाल निषाद (50) मंगलवार दोपहर में लकड़ी काटने भटौती पहाड़ पर गए थे। वहां से वह लकड़ी लेकर पैदल ही घर आ रहे थे कि भटौती सपहा चेकडैम को पार करने के दौरान उनका पैर फिसल गया। जिससे वह चेकडैम में डूग गए। इस दौरान चरवाहों ने इसकी सूचना ग्रामीण के परिजनों को दी। काफी प्रयास के बाद रामकृपाल को चेकडैम से बाहर निकादा गया, लेकिन उनकी सांसें धम चुकी थी। उधर, निषाद पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार निषाद ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए तहसील प्रशासन से सहायता की मांग की है।

सनातन हिंदू जागरूकता पद यात्रा निकाली

प्रयागराज। मांगों को लेकर सनातन हिंदू जागरूकता पद यात्रा निकाली गई। आयोजक मनेन्द्र सिंह, संयोजक अखिलेंद्र प्रताप सिंह, संरक्षक उदय प्रताप सिंह आदि के नेतृत्व में बडी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस दौरान भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने, गोमाता को राष्ट्र माता घोषित करने, काशी–मथुरा में भव्य मन्दिर निर्माण और हिंदू नशा मुक्ति आदि मांगों का उद्घोष किया गया।

मुआवजे और जमीन के बदले जमीन का फंसा पेच

प्रयागराज। सोरांव के चार गांवों के किसानों ने औद्योगिक गलियारे के लिए 450 बीघा भूमि देने से इंकार कर दिया है। किसानों का आरोप है कि मुआवजा कम है और इससे उनकी रोजी–रोटी का संकट बढ़ गया है। अब तक केवल 30: भूमि का बैनामा हो पाया है और किसान अपनी ज़मीन बचाने के लिए प्रशासन से संघर्ष कर रहे हैं।

औद्योगिक गलियारा 30 फ़ीसदी जमीन का ही औद्योगिक गलियारे के लिए अब तक हो पाया है बैनामा 450 बीघा भूमि का सोरांव के चार गांवों के किसान से होना है बैनामा सोरांव के जूड़ापुरदांदू गांव में गंगा एक्सप्रेस वे चौराहे के समीप औद्योगिक गलियारा से प्रदेश की विकास यात्रा को पंख लगेंगे। लेकिन सोरांव के किसानों की औद्योगिक गलियारा में भूमि जाने से उनके सामने भविष्य की रोजी रोटी का संकट जरूर खड़ा हो गया है। औद्योगिक गलियारा में सबसे अधिक भूमि बारी गांव के किसानों की जा रही है। आलू के साथ बहु फसली उपज वाला क्षेत्र होने से किसान जमीन देने को तैयार नहीं है।

एक सीजन में कई तरह की फसल तैयार कर परिवार चलाते हैं। प्रशासन औद्योगिक गलियारा निर्माण से सोरांव क्षेत्र के साथ समूचे प्रदेश के विकास का दंभ भर रहा परन्तु किसान पूर्वजों की धरोहर देने को तैयार नहीं है। किसानों के कड़े रुख के कारण पिछले दो वर्ष से औद्योगिक गलियारा के लिए जमीन बैनामा कराने का कार्य तहसील प्रशासन कर रहा है। अब तक महज 30 फ़ीसदी जमीन का बैनामा हो पाया है। बारी गांव के किसान अपनी जीविका का साधन भूमि देने को तैयार नहीं है। कुछ किसानों ने प्रशासन से मुआवजा के बजाय जमीन के बदले जमीन देने की मांग की है। औद्योगिक गलियारा को लेकर सोरांव के चार गांवों के किसानों की नींद उड़ गई है। भूमि बचाने के लिए कोर्ट कचहरी से लेकर जनप्रतिनिधियों की चौखट के चक्कर काट रहे हैं। सोरांव के जूड़ापुर दादू गांव के समीप गंगा एक्सप्रेस वे के बगल उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के लिए यूपीडा 101 हेक्टेयर (450 बीघा) भूमि सोरांव के चार गांवों के किसान से बैनामा होना है। किसानों ने कम मुआवजा मिलने का आरोप लगाते हुए जमीन देने से इंकार कर दिया। अब तक तहसील प्रशासन 30 हेक्टेयर (125 बीघा) भूमि ही किसानों से बैनामा कराया है। जिला प्रशासन के साथ तहसील प्रशासन मिलकर किसानों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। सोरांव तहसील के बारी, माधोपुर मलाक चतुरी, जूड़ापुर दादू एवं सराय लाल खातून उर्फ शिवगढ़ चार गांवों के किसानों से यूपीडा 450 बीघा जमीन का बैनामा कराने के लिए कार्रवाई कर रही। सराय लाल खातून गांव में लगभग 90 फ़ीसदी बैनामा का कार्य पूरा हो गया परंतु तीन गांव के किसान जमीन देने को तैयार नहीं है। सरकार के द्वारा सर्किल रेट बढ़ाने के बाद भी किसानों के मुताबिक मुआवजा न मिलने से किसान जमीन बैनामा करने को तैयार नहीं है। इसको लेकर पेच फंसा हुआ है। दो वर्ष से अधिक समय निकल जाने के बाद भी जमीन बैनामा कराने का कार्य पूरा नहीं हो सका। सरकार की शक्ति के बाद अधिकारी किसानों से जमीन बैनामा कराने के लिए सहमति बनाने में लगे हैं। प्रदेश सरकार के द्वारा सोरांव के जूड़ापुर दादू एवं सराय लाल खातून के समीप औद्योगिक गलियारा बनाने का निर्णय किया था। जिसके बाद जनवरी 2024 से किसानों की जमीन का बैनामा कराने का कार्य शुरू किया था। किसानों ने सर्किल रेट बढ़ाने की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध करते हुए जमीन देने से इन्कार कर दिया था। किसानों के आक्रोश को देखते हुए जिला प्रशासन ने शासन को अवगत कराया। शासन की सहमति पर प्रयागराज

जनपद में नए सर्किल रेट लागू कर दिए गए। शासन सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा दे रही है। इसके बाद भी किसानों को मनचाहा मुआवजा नहीं मिल पा रहा। चारों गांव के किसान जमीन देने को तैयार नहीं है। सराय लाल खातून उर्फ शिवगढ़ के बराबर मुआवजे पर अड़े किसान बारी, माधोपुर मलाक चतुरी एवं जूड़ापुर दादू तीनों गांव के किसानों को बढ़े हुए सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा दिया जा रहा है। जो एक बीघा जमीन का साढ़े पैंतीस लाख की दर से किसानों को मिल रहा है। जबकि पुराने सर्किल रेट के हिसाब से बारी गांव को तीस लाख एवं जूड़ापुर दादू के किसानों को 27 लाख के हिसाब से भुगतान किया जा रहा था। किसानों के विरोध पर बढ़े सर्किल रेट के हिसाब से अब किसानों को साढ़े पैंतीस लाख प्रति बीघा के हिसाब से मुआवजा दिया जा रहा। वहीं पड़ोस के गांव सराय लाल खातून उर्फ शिवगढ़ गांव का पहले से ही सर्किल रेट अधिक था, जिसके कारण वहां के किसानों को 70 लाख प्रति बीघा के हिसाब से मुआवजा दिया गया। इसी बात को लेकर बारी, माधोपुर मलाक चतुरी एवं जूड़ापुर दादू के किसान अड़ गए हैं। किसानों की मांग है कि सराय लाल खातून के बराबर 70 लाख प्रति बीघा के दर से मुआवजा दिए जाने की मांग कर रहे हैं। इसी को लेकर पेंच फंसा हुआ है। प्रशासनिक अधिकारी किसानों के साथ बैठक कर सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जमीन गई तो भूमिहीन हो जाएंगे बारी के कई किसान औद्योगिक गलियारा के लिए किसानों की जमीन बैनामा के लिए प्रशासन दबाव बना रहा है। बारी गांव के दर्जनों किसान का संपूर्ण अंश जा रहा है। जमीन देने के बाद किसान भूमिहीन हो जाएगा। इस वजह से किसान जमीन देने को तैयार नहीं है। बारी गांव के धनंजय पांडे चार भाइयों के बीच दस बीघा जमीन है। चारों भाइयों की पूरी जमीन औद्योगिक गलियारा में जाने से भूमिहीन हो जाएंगे। हृदय नारायण द्विवेदी की जमीन एनएच 19 में गई थी। चार बीघा शेष जमीन अब औद्योगिक गलियारा में जाने से भूमिहीन होने के कगार पर पहुंच गए हैं। इसी प्रकार राजेंद्र प्रसाद जायसवाल, दिनेश कुमार जायसवाल, बसंत लाल जायसवाल, राधेश्याम पटेल, भारत लाल पटेल, प्रभात पटेल समेत कई किसान की जमीन औद्योगिक गलियारा में जाने से भूमिहीन होने के कगार पर पहुंच गए हैं। नगर निगम की सीमा में आने से गांव की जमीन के भाव में आया उछाल प्रयागराज नगर निगम का विस्तार होने पर सोरांव ब्लॉक की 14 ग्राम पंचायत वर्ष 2019 में नगर निगम की परिधि में आए थे। इसमें बारी गांव का मजरा लखनीपुर को नगर निगम में शामिल किया गया था। नगर निगम की विकास योजनाओं से गांव विकसित होने के साथ शहरी सीमा से सटे हुए हैं। जिसके कारण बारी के साथ आस पास के गांवों में अचानक जमीन के भाव में उछाल आ गया। तमाम जमीन के कारोबार से जुड़े लोग जमीन खरीद कर प्लाटिंग शुरू कर दिया। अब बारी गांव में जमीन भाव पहले की अपेक्षा अधिक हो गए। जबकि सर्किल रेट में जमीन के भाव के हिसाब से बढ़ोतरी नहीं की गई। सराय लाल खातून गांव में पहले ही सर्किल रेट अच्छा था, इस कारण वहां के किसानों को मुआवजा अधिक मिल रहा है। बारी गांव के किसान सराय लाल खातून के बराबर मुआवजा की मांग कर रहे हैं। जिम्मेदार बोले प्रदेश सरकार किसानों के हित में सदैव खड़ी है। औद्योगिक गलियारा निर्माण होने से क्षेत्रीय विकास के साथ प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी। किसानों को अधिक से अधिक मुआवजा दिलाने के लिए हम उनके साथ खड़े हैं। जरूरत पड़ने पर जिला प्रशासन के साथ शासन स्तर पर बात कर किसानों की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने का प्रयास करूंगा। किसानों के साथ मेरी सरकार खड़ी है। –गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक, फाफामऊ इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए किसानों की सहमति से जमीन बैनामा कराया जा रहा है। हर गांव के अलग–अलग सर्किल रेट निर्धारित है। प्रशासन बढ़े हुए सर्किल रेट का चार गुना धनराशि किसानों को मुआवजा दिया जा रहा है। किसान बैनामा कर रहे। बैनामा न करने पर प्रशासन भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही करेगा। जमीन के लिए प्रशासन लगातार किसानों के साथ बैठक कर रहा है। ज्ञानेंद्र नाथ, एसडीएम, सोरांव

हमारी भी सुनें, सरकार एवं प्रशासन को किसानों के साथ संवेदनशीलता का व्यवहार करना चाहिए। औद्योगिक गलियारा में जमीन देने वाले किसानों को सरकार मुआवजा के साथ कमर्शियल प्लाट देना चाहिए। जिससे किसान परिवार जीवन जीने के लिए रोजगार धंधा कर सके। –चंद्रभूषण तिवारी, बारी, सोरांव सरकार जिस रेट पर हमारी एक बीघा जमीन ले रही है, उतनी धनराशि हमें दो बिस्सा जमीन नहीं मिल रही। जमीन देने के बाद हमारे सामने खाने का संकट आएगा। हम जमीन नहीं देंगे। –मनोज तिवारी, किसान, बारी जमीन किसान की अनमोल धरोहर है। इसी के सहारे परिवार का पालन होता है। जमीन एक बार गई तो दोबारा नहीं खरीद पाएंगे। पैसा तो खर्च हो जाता है। –बद्री प्रसाद, किसान, बारी पुरखों के द्वारा विरासत में मिली जमीन को हमसे सरकार औने–पौने दाम में जबरन बैनामा करना चाहती है। हमे 70 लाख प्रति बीघा से कम मुआवजा मंजूर नहीं। –शिव प्रसाद तिवारी, किसान, बारी

कुंवरपट्टी में जलयात्रा और पंचांग पूजन के साथ मां शीतला कृपा महोत्सव शुरू

प्रयागराज। कुंवरपट्टी में जलयात्रा और पंचांग पूजन के साथ मां शीतला कृपा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। परवा गंगा घाट से जल लेकर 2100 महिलाओं ने गाजे–बाजे के साथ महोत्सव स्थल पर पहुंचीं। इस दौरान मां शीतला और गंगा मैया के जयकारे से पूरा इलाका गुंजायमान हो उठा। जलयात्रा में हाथी–घोड़ा के साथ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।

कुंवरपट्टी में मां शीतला कृपा महोत्सव का शुभारंभ सन 2007 में किया गया था। तभी से प्रत्येक वर्ष डीजीएस परिवार की ओर से मां शीतला कृपा महोत्सव मनाया जाता है। दो साल पहले बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी महोत्सव में आए थे। मां शीतला कृपा महोत्सव 29 जनवरी तक चलेगा। 30 जनवरी को पूर्णाहुति और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

आयोजक भाजपा नेता इन्द्रदेव शुक्ल उर्फ राजू भैया ने आभार व्यक्त किया। डीजीएस परिवार के तीर्थराज शुक्ल, सूरज देव शुक्ल, ब्रह्म देव शुक्ल, ईश्वर देव शुक्ल ने बताया कि 28 जनवरी को मानस पारायण विराम के साथ औपचारिक हवन, देवी जी की महाभिषेक, भव्य शृंगार और छप्पन भोग कार्यक्रम होगा। जलयात्रा में एसीपी मेजा संत प्रसाद उपाध्याय, इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह, पूर्व विधायक आनंद कुमार उर्फ कलेक्टर पांडेय, मुन्नन शुक्ल, भामे शुक्ल आदि मौजूद रहे। महोत्सव के तीसरे दिन बुधवार को दोपहर दो बजे भजन गायक एवं सांसद मनोज तिवारी मृदुल और सांसद रविकिशन शुक्ल पहुंचेंगे। वह अपने भोजपुरी गीतों के माध्यम से जलवा बिखेरेंगे। यह जानकारी महोत्सव के आयोजक भाजपा नेता इन्द्रदेव शुक्ला ने दी।

ईंट–भट्ठे पर मिट्टी पेराई कर रही मशीन में फंसकर किशोर की मौत

प्रयागराज। क्षेत्र के तीनोतारा मटियारा गांव के पास एक ईंट–भट्ठे पर उस समय चीख–पुकार मच गया, जब मिट्टी की पेराई कर रही पोकलेन मशीन की चपेट में आने से किशोर की मौत हो गई। किशोर खेल–खेल में मशीन के करीब चला गया था, जहां पलक झपकते ही वह मशीन में फंस गया। मशीन ऑपरेटर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रतापगढ़ जनपद के संग्रामगढ़ थाना अंतर्गत अस्थवा गोविंद नगर (मनगढ़) निवासी बब्लू सरोज अपनी पत्नी विमला देवी, दो बेटों विवेक (16) व विष्णु के साथ नवाबगंज थाना क्षेत्र के तीनोतारा मटिया गांव के पास एक ईंट भट्ठे पर पथाई का काम करते थे। विवेक भाइयों में सबसे बड़ा था और भट्ठे पर ही माता–पिता के काम में हाथ बंटाता था। मंगलवार शाम करीब छह बजे भट्ठे पर ट्रैक्टर से जुड़ी पोकलेन मशीन से कच्ची ईंटों के लिए मिट्टी तैयार की जा रही थी। बब्लू व उनका परिवार पास में ही ईंटों की पथाई कर रहे थे। इसी बीच विवेक खेलते हुए अचानक मशीन के पास पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किशोर ने जिज्ञासावश चलती हुई मशीन में हाथ लगा दिया। मशीन की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसे संभलने का मौका ही नहीं मिला और उसका हाथ फंसते ही पूरा शरीर मशीन के अंदर खिंच गया। हादसा देख आसपास के मजदूरों ने शोर मचाया, लेकिन जब तक मशीन रोकी जाती, उसकी सांसें थम चुकी थीं। घटना के बाद मशीन ऑपरेटर गाड़ी छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ओयो होटल में पुलिस ने मारा छापा, मैनेजर गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेज बरामद

प्रयागराज। क्षेत्र के शास्त्री नगर तिराहे के निकट स्थित ओयो होटल में चल रहे देह व्यापार का मुखबिर की सूचना पर सोरांव पुलिस ने किया भंडाफोड़। होटल मैनेजर को मौके से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने होटल मालिक, मैनेजर एवं भवन स्वामी समेत तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा ने बताया कि सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली कि शास्त्री नगर तिराहे पर स्थित ओयो होटल में किशोरी को बुलाकर देह व्यापार का संचालन किया जा रहा है। सोरांव पुलिस के पहुंचते ही पीछे के कमरे से आरोपी फरार हो गई। पुलिस की तलाशी में होटल के कमरों से कई आपत्ति जनक सामान बरामद हुआ।

प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा व उनके हमराहियों ने होटल मैनेजर से पूछताछ किया तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने खुलकर आए। पुलिस ने बताया की नाबालिग लड़कियों के आधार कार्ड में छेड़छाड़ कर उन्हें रजिस्टर पर वयस्क दिखा कर इंटी कि जाती थी। पुलिस ने ओयो होटल मालिक बहरिया थाना अंतर्गत के कनेहटी गांव के रहने वाले शिवानंद यादव, सोरांव के मो.पुर नौगवां गांव के मकान मालिक शमशेर मौर्य व मैनेजर अविनाश मौर्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया। इसके बाद आरोपी अविनाश मौर्य को गिरफ्तार किया है। फरार होटल मालिक शिवानंद यादव एवं मकान मलिक शमशेर मौर्य की खोजबीन में दबिश दी जा रही है।

बुदौना चौराहे पर दुकान में तोड़फोड़ व आगजनी, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के बुदौना चौराहे पर बीते दिनों चाय–पान व किराने की दुकान में तोड़फोड़ तथा आगजनी के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। मिथिलेश कुमार चौरसिया ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि वह अपने चाय–पान की दुकान को बंद करके घर चला गया। आधी रात के बाद कुछ लोग दुकान में घुस आए और तोड़फोड़ करते हुए आग लगा दी। पुलिस ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की है।

प्रयागराज में मौसम का असरः एसआरएन में 3480 मरीज, अस्पतालों पर दबाव

प्रयागराज। बदलते मौसम के बीच दो दिन अवकाश के बाद खुले सरकारी अस्पतालों में मंगलवार को मरीजों की कतार लगी रही। पंजीकरण कराने से लेकर डॉक्टरों से परामर्श और दवा काउंटर पर मरीज व तीमारदारों की भीड़ रही। एसआरएन अस्पताल में सर्दी के इस सीजन में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचे। मंगलवार को एसआरएन में 3480, बेली अस्पताल में 2512 और कॉल्विन अस्पताल में 1800 मरीज ओपीडी में पहुंचे। यानी तीनों अस्पताल की कुल ओपीडी 7792 रही। एसआरएन में सबसे ज्यादा मरीज मेडिसिन, हड्डी रोड, टीबी व सांस रोग, त्वचा और न्यूरो विभाग के रहे। कई विभागों में शाम चार बजे तक ओपीडी चलती रही। केंद्रीय पैथोलॉजी में सैंपल जमा करने और रिपोर्ट लेने के लिए लंबी कतार लगी रही। मरीजों और तीमारदारों को फर्श और सीढ़ियों पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। बदलते मौसम में सावधान रहने की जरूरत मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. केएन त्रिपाठी ने बताया कि मौसम में परिवर्तन का असर सेहत पर भी पड़ रहा है। दिन में तेज धूप जरूर निकल रही है लेकिन इसे गर्मी मानते हुए पकड़े न निकालें। ऐसे मौसम में सावधानी बरतें। बदलते तापमान के अनुसार शरीर का तापमान अनुकूल नहीं हो पाता है। इसलिए सांस, सर्दी–जुकाम, खांसी, बीपी, शुगर यहां तक कि ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बना रहता है। बच्चों और बुजुर्गों को अधिक सावधानी रखने की जरूरत है।

नए यमुना पुल से युवक ने लगाई छलांग

प्रयागराज। नए यमुना पुल से मंगलवार की शाम एक युवक ने छलांग लगा दी। उसे डूबते देख जल पुलिस व पीएसी की टीम ने तत्काल मोटरबोट से पहुंचकर बचाकर लिया। जल पुलिस प्रभारी रविंद्रनाथ ने बताया कि 30 वर्षीय अरविंद राय निवासी ग्राम नौंवा चक थाना सारंजन, समस्तीपुर बिहार को सुरक्षित बचाने के साथ ही कीडगंज थाना पुलिस को सूचना दी गई। उधर, कीडगंज थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि युवक ने मानसिक रूप से परेशान होने की बात सामने आई है। वह प्रयागराज में किराए के कमरे में रहता है। उसके परिजनों को सूचना दी गई है।

अनुभव प्रमाणपत्र के लिए कैबिनेट मंत्री को दिया ज्ञापन

प्रयागराज। जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती 2021 में वित्तविहीन विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को जारी अनुभव प्रमाण पत्र मान्य किए जाने के लिए अभ्यर्थियों ने सोमवार को कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को अंबेडकरनगर में ज्ञापन दिया। अभ्यर्थी ज्ञानवेन्द्र सिंह बंटी ने कटहरी विधानसभा से विधायक निषाद पार्टी के धर्मराज निषाद के आवास पर पहुंचे निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री संजय निषाद से मुलाकात की। कहा कि वित्तविहीन विद्यालय के प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत अभ्यर्थियों का अनुभव प्रमाण पत्र मान्य किया जाए।

एएसआर मेडिकल कॉलेज ने टेक इंटीग्रेशन तकनीक के साथ चिकित्सकीय शिक्षा में नए युग की शुरुआत की

ताडेपल्लीगुडेम, आंध्र प्रदेश। डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. पी. चंद्र शेखर ने कहा कि डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय आयुष प्रणालियों का पालन करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा की गई सभी पहल सराहनीय हैं।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने बुधवार को अपने 2025–2026 बैच के बीएचएमएस छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण व्हाइट कोट सेरेमनी का आयोजन किया । इसके साथ ही अत्याधुनिक तकनीक इंटीग्रेशन का भव्य उद्घाटन भी किया गया। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम का औपचारिक लॉन्च करते हुए डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. पी. चंद्र शेखर ने कहा कि होम्योपैथिक मेडिकल शिक्षा के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है, जो उनके संरक्षण में कॉलेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

उल्लेखनीय है कि व्हाइट कोट सेरेमनी, जो मेडिकल शिक्षा में एक सम्मानित परंपरा है, ने प्रतीकात्मक रूप से 1ज बीएचएमएस छात्रों के नए समूह का चिकित्सा पेशे में स्वागत किया। अपने सफेद कोट पहनकर और स्टेथोस्कोप प्राप्त करके, इन छात्रों ने सार्वजनिक रूप से नैतिक अभ्यास, करुणा और समर्पित रोगी देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की शपथ ली, जो उनकी परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत थी। इस अवसर की गंभीरता को बढ़ाते हुए, वाइस चांसलर, डॉ. पी. चंद्र शेखर ने गहरे सम्मान के प्रतीक के रूप में, होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. सैमुअल हैनीमैन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया।

एएसआरएचएमसी ने डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज की परीक्षाओं में रैंक लाने वालों को गोल्ड मेडल देकर उनकी अकादमिक उपलब्धि को भी सम्मानित किया, उनके शानदार प्रदर्शन और पढ़ाई के प्रति समर्पण को पहचानते हुए।

एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, डॉ. पी. चंद्र शेखर ने एएसआरएचएमसी ने एक व्यापक टेक्नोलॉजिकल इंटीग्रेशन पहल शुरू की दृ जो भारत में किसी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के लिए अपनी तरह की पहली पहल है। यह पहल नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सुझाए गए और डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज, विजयवाड़ा द्वारा अनुशंसित कॉम्पिटेंसी बेस्ड डायनेमिक करिकुलम को पूरी तरह से लागू करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन की गई है। यह दूरदर्शी दृष्टिकोण चार

क्रांतिकारी स्तंभों पर आधारित है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंटीग्रेशन,कम्प्लीट एनाटॉमी एप्लीकेशन,होमपैथ एलीट सॉफ्टवेयर और लैपटॉप प्रदान करना।इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को होमपैथ एलीट से लैस किया जाएगा।

शोध अनुदान को दोगुना करने की घोषणा करते हुए

मुझे यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि इस साल से, विश्वविद्यालय रिसर्च गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करने के लिए हमारा विश्वविद्यालय रिसर्च में निरंतर सुधार और शिक्षा की उच्चतम गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समर्पित है। मैं इस प्रतिष्ठित होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज को सफलतापूर्वक चलाने में चेयरमैन डॉ. अकुला विजय वर्धन के दृढ़ प्रयासों की विशेष रूप से सराहना करता हूं। होम्योपैथी एक तेजी से बढ़ता हुआ विज्ञान है, और इसके संस्थापक डॉ. सैमुअल हैनिमैन ने गहन आविष्कार किए। होम्योपैथिक उपचार चिकित्सा की एक सुरक्षित, प्रभावी और लगातार विकसित होने वाली प्रणाली है। इस अवसर पर एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के चेयरमैनडॉ. अकुला विजय वर्धन ने कहा कि ष्एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज उच्च गुणवत्ता वाली होम्योपैथिक शिक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है जो हमारे छात्रों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवा की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करती है। यह व्यापक तकनीकी एकीकरण, जिसका उद्घाटन हमारे माननीय कुलपति ने किया, उस प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि हमारे छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो न केवल होम्योपैथिक सिद्धांतों में मजबूत हो, बल्कि दूरदर्शी और डिजिटल रूप से सशक्त भी हो।ष

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यडॉ. आनंदा कुमार पिंगली ने कहा कि हमारी यह अग्रणी पहल, जिसका उद्घाटन माननीय वाइस चांसलर ने किया, मूल रूप से नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी द्वारा सुझाए गए और डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज द्वारा समर्थित कॉम्पिटेंसी बेस्ड डायनेमिक करिकुलम को पूरी तरह से लागू करने के विज़न से प्रेरित है। एआई, 3डी एनाटॉमी, एडवांस्ड होम्योपैथिक सॉफ्टवेयर को इंटीग्रेट करके, और सभी छात्रों को लैपटॉप देकर, एएसआरएचएमसी ने एजुकेशनल इनोवेशन में सबसे आगे रहने के लिए एक सक्रिय कदम उठाया है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा और हमारे ग्रेजुएट्स होम्योपैथी और मेडिकल एजुकेशन में लीडर बनने के लिए तैयार होंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में कई खास मेहमान शामिल हुए, जिनमें डॉ. वी रवि पॉल, सिविल सर्जन और एरिया हॉस्पिटल दृ ताडेपल्लीगुडेम के सुपरिटेंडेंट, डॉ. विजय सृजित, एक जाने–माने ऑर्थोपेडिक सर्जन, साथ ही समर्पित फैकल्टी सदस्य, स्टाफ, छात्र और गर्वित माता–पिता शामिल थे।

व्यंजन ईश प्रसाद

(छप्पय)

ठेले की यह हाट सभी को अच्छी लगती।
दस रुपये की चार जहाँ पर पूड़ी मिलती।
खाया जिसने यहाँ मसाले वाली आलू।
जाकर सबके पास बताता इसे कचालू।
मेला है यह माघ का, व्यंजन ईश–प्रसाद है।
जिसने भी खाया इसे, कहता अद्भुत स्वाद है।।

सबकुछ है आसान समझना मेले का।
अच्छा है बाज़ार यहाँ के ठेले का।
तिलपट्टी के साथ ढूँठियाँ जिसमें रहती।
चाट पकौड़ी चाय बगल में उसके दिखती।
गरमागरम जलेबियाँ तीखी आलू साथ में।
यादें बनकर माघ की रहतीं उसके गाथ में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सिद्धाश्रम पब्लिक स्कूल में प्रमुख ने पूर्व सैनिकों का सारस्वत सम्मान, बच्चों के मनोहारिक प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध

प्रतापगढ़। सांगीपुर विकासखंड के दलापट्टी गांव स्थित सिद्धाश्रमआश्रम पब्लिक स्कूल में गणतंत्र दिवस का पर्व बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।वही भूतपूर्व सैनिकों का सारस्वत सम्मान मुख्य आकषर्ण रहा। मुख्य अतिथि अशोक सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया।कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों को

देखकर उपस्थित अभिभावक और अतिथि तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन करते नजर आए। मुख्य अतिथि अशोक सिंह बबलू ने कहा कि ग्रामीण अंचल में छोटे–छोटे बच्चों को मंच देना और उनकी प्रतिभा को निखारना किसी चुनौती से कम नहीं होता यही नहीं आज जो सीमा पर अपना योगदान दे चुके जाबाज सैनिको को सम्मान करना सबसे बड़ा पुनीत कार्य है। ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांगीपुर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ निरंकार सिंह ने कहा कि जो पूर्व सैनिकों का सम्मान किया जा रहा है वह एक अनोखी पहल शिक्षा के साथ संस्कार और संस्कृति का समावेश ही सशक्त समाज की नींव रखता है। विद्यालय प्रबंधन इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अभिषेक यादव ने किया, प्रबन्धक राधेश्याम मिश्र ने आए हुए समस्त सम्मानित अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्रगति आख्या प्रधानाचार्य हेमंत सिंह द्वारा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर सहायक अध्यापक डॉ.संपूर्णानंद मिश्र, पूर्व सैनिक अवधेश नारायण पांडे श्रवण कुमार मिश्रा, भारत मिश्र , छः दर्जन से ज्यादा पूर्व सैनिक व क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

सानवी एवं प्रेम कुमार को मिला सरस्वती सम्मान

प्रतापगढ़। जनपद की बाल कवयित्री सानवी एवं कवि–कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी को साहित्य सेवा एवं सक्रिय सहभागिता के लिए सरस्वती सम्मान से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान ब्रजभाषा काव्य मंच, आगरा द्वारा डायमंड जुबली हॉल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, पुस्तक लोकार्पण एवं साहित्यकार सम्मान समारोह के अवसर पर प्रदान किया गया। बसंत उत्सव के

उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष डॉ. रामेंद्र शर्मा 'रवि' ने सानवी एवं प्रेम कुमार त्रिपाठी को सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम से पूर्व आगरा की सुप्रसिद्ध कवयित्री अलका शर्मा ने सानवी की कविता सुनकर मंच प्रदान किया। इस अवसर पर दहाड़ 1857,सतरंगी गीत, फर्ज़ के आलावा डॉ. रामेंद्र शर्मा 'रवि' द्वारा संपादित साझा संकलन 'काव्य मंजरीश का लोकार्पण किया गया, जिसमें बाल कवयित्री सानवी की रचना 'मेरी प्यारी दादी' प्रकाशित है। आगरा के काव्य मंच पर सानवी के बालमन से निकली सशक्त और प्रभावशाली प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। जहाँ आगरा में तालियों का उत्सव देखने को मिला, वहीं बेल्हावासी भी गौरवान्वित हुए।जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्न श्ने सानवी को यशस्वी होने का आशीर्वाद दिया। साथ ही अधिवक्ता राज किशोर त्रिपाठी, अमित शुक्ला, देवेंद्र गुप्ता सहित समाजसेवी रोशन लाल उमर वैश्य संजय शुक्ल पत्रकार अखिल नारायण अनूप त्रिपाठी एवं अनेक साहित्यप्रेमियों ने सानवी एवं प्रेम कुमार त्रिपाठी को जनपद का नाम आगरा में गौरवान्वित करने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

कवि सम्मेलन में जब शब्दों ने सुकून गाया

कानपुर। 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर श्रीमती कृष्णा देवी एवं श्री राजाराम वर्मा जी की स्मृति में गंगानगर सहकारी आवास समिति नवाब गंज के पश्चिमी पार्क में आयोजित विराट कवि सम्मेलन में कवियों की वाणी से समिति की भूमि सचमुच साहित्यिक सौंदर्य और भावनात्मक आलोक से आलोकित हो उठी।हर दिशा में शब्दों की महक बिखरी थी।कहीं गीत की कोमल ध्वनि थी, कहीं शेर की गहराई, कहीं हास्य–व्यंग्य की

हँसाई, तो कहीं छंदों की अतल गहराई जिसने श्रोताओं को भीतर तक भिगो दिया। वरिष्ठ कवि श्री सुभाष शर्मा कांटा की अध्यक्षता तथा सुमधुर गीतकार गोविंद गज़ब के संचालन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए कवि सम्मेलन ने आज अपने नाम को पूर्णतयरू सार्थक कर दिया। कवियों द्वारा प्रस्तुत कविताओं की हर पंक्ति में सुकून था, हर स्वर में संवेदना थी। गोपालदास 'नीरज' जी के ये अमर शब्द आज मंच पर सजीव प्रतीत हुए–

'आत्मा के सौन्दर्य का, शब्द रूप है काव्य,
मानव होना भाग्य है, कवि होना सौभाग्य।'

कविता केवल छंद या लय नहीं,वह जीवन की धड़कन है। आंचलिक भाषा के सुमधुर गीतकार दिनेश नीरज की बुद्ध वंदना तथा शिप्रा की वाणी वंदना से प्रारंभ कवि सम्मेलन के मंच पर विराजमान आचार्य सुभाष शर्मा की वाणी में राष्ट्र और संस्कृति का प्राण स्वर गूँजा,मंच संचालक गोविंद गज़ब के भावपूर्ण गीत हवा ने गुनगुनाये, कवयित्री चांदनी पाण्डेय के शेर दिलों में उतरकर सच्चाई की स्याही बन गए,उमेश ऊटपटांग तथा अंशुमान दीक्षित की हास्य–व्यंग्य की कविताओं ने लोट–पोट किया। जयराम जय के शब्द सामाजिक सरोकारों की सच्ची पुकार बने। युवा कवयित्री शिप्रा ज्ञानेन्द्र के छंद ग़ज़ल दिलों में उतर गये।

गंगानाथ झा परिसर में 63वीं राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के परिसरीय सभागार में आज दिनांक 28–01–2026 त्रिदिवसीय राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा का शुभारम्भ परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। स्पर्धा का शुभारम्भ लौकिक मंगलाचरण एवं कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. सर्वनारायण झा, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशिष्ट अतिथि प्रो. हंसधर झा, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर एवं कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा, निवृत्ताचार्य, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र के सारस्वत अतिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा ने अपने वक्तव्य में सभी प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को शास्त्रों की समृद्धता से परिचित कराते हुए शास्त्रीय ज्ञान को सभी प्रकार के ज्ञान में सर्वश्रेष्ठ बताया। उन्होंने गंगानाथ परिसर द्वारा संस्कृत भाषा की समुन्नति के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी एवं परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के विशिष्ट प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा इस हेतु संस्कृत प्रदर्शनी, संस्कृत वीडियो के सम्पादन एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने को क्रान्तिकारी कदम बताया। मुख्यातिथि प्रो. सर्वनारायण झा ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं के शास्त्रीय ज्ञान एवं उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए संस्कृत के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के छात्र–छात्राओं के अविस्मरणीय एवं गौरवशाली प्रदर्शन का विशेषतरू उल्लेख किया। उन्होंने इस स्पर्धा को समस्त उपस्थित छात्र–छात्राओं हेतु अत्यधिक लाभप्रद बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने इस शास्त्रीयस्पर्धा के समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। विभिन्न संस्कृत विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के प्रतिभागियों एवं मार्गदर्शकों की इस अवसर पर उपस्थिति को उन्होंने विशेष अवसर बताते हुए सभी को इस स्पर्धा से अधिकतम लाभान्वित होने को प्रेरित किया। समस्त अतिथियों, मार्गदर्शकों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों का स्वागत उक्त स्पर्धा के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने करते हुए शास्त्रीय स्पर्धा के प्रतिभागियों को स्पर्धा की रूपरेखा से परिचित कराया। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी एवं गंगानाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी को विशेषतरू धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन शास्त्रीयस्पर्धा के सहसंयोजक डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया। आज आयोजित होने वाली प्रमुख स्पर्धाओं में भाषणस्पर्धा (व्याकरण भाषणम्, ज्यौतिषभाषणम्, आयुर्वेदभाषणम्, वेदभाष्यभाषणम्, साहित्य भाषणम्, भारतीय विज्ञान भाषणम्) में प्रो. सर्वनारायण झा, प्रो. हंसधर झा, प्रो. शिवराम शर्मा, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि" एवं प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर निर्णायक मण्डल में सम्मिलित रहे। इसी प्रकार कण्ठपाठस्पर्धाओं (अमरकोषकण्ठपाठ, अष्टाध्यायीकण्ठपाठ, धातुरूपकण्ठपाठ, भगवद्गीताकण्ठपाठ, काव्यकण्ठपाठ, रामायणकण्ठपाठ, उपनिषत्कण्ठपाठ, दर्शनसूत्रकण्ठपाठ, चरकसंहिताकण्ठपाठ) में प्रो. धनीन्द्र कुमार झा, प्रो. अनिल प्रताप गिरि, डॉ. आशीष त्रिपाठी निर्णायक मण्डल में सम्मिलित रहे। इस अवसर पर प्रो. रामसलाही द्विवेदी, डॉ. दिव्यचेतन ब्रह्मचारी, प्रो. शिवराम शर्मा, प्रो. नारायण प्रताप भट्ट, डॉ. कीर्ति पाठक, डॉ. वेद गोस्वामी, प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", प्रो. अपराजिता मिश्रा, अंकित मिश्र, अश्विनी लंके समेत परिसरीय अन्य कर्मचारी एवं अधिकारीगण तथा परिसरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। परिसर के मीडिया प्रभारी एवं जनसम्पर्क अधिकारी राजेश कान्त तिवारी ने बताया कि उक्त शास्त्रीय स्पर्धा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली 63वीं स्पर्धा है जो दिनांक 28–01–2026 से 30–01–2026 तक गंगानाथ झा परिसर में आयोजित की जा रही है। आयोजित की जाने वाली स्पर्धाओं में मुख्यतरू भाषणस्पर्धा, कण्ठपाठस्पर्धा, शलाकापरीक्षा जैसी स्पर्धाओं का आयोजन किया जाना है। इनका उद्देश्य शास्त्रों की परम्परा को संरक्षित कर युवाओं में संस्कृत के प्रति गहन रुचि जागृत करना है।

प्रयागराज महाकुंभ–2025 पुस्तक का गंगा तट पर हुआ विमोचन

प्रयागराज। माघमेला क्षेत्र पांटून पुल ३, सेक्टर चार स्थित श्री निम्बार्काचार्य पीठ में लोकरंजन प्रकाशन से प्रकाशित डॉक्टर पूर्णिमा पाण्डेय ष्पूर्णाष द्वारा लिखित पुस्तक प्रयागराज महाकुंभ–2025 (आस्था का महामेला) का आज के अध्यक्ष डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय, मुख्य अतिथि प्रोफेसर रवि मिश्र, सारस्वत अतिथि ध ब्रह्म दरबार साधना केंद्र पीठाधीश्वर संत जय महाराज, विशिष्ट अतिथि स्वामी कृष्णानन्द महाराज, युवराज अमरेन्द्र, कृष्ण गोस्वामी महाराज की उपस्थित में भव्य विमोचन हुआ। अतिथियों ने माँ वीणापाणि के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण किया। शिविर के प्रबंधक आचार्य शिवेंद्र सारस्वत ने स्वस्तिक वाचन से कार्यक्रम में नई उर्जा का संचार किया। सरस्वती वंदना पंडित अमित पाण्डेय और प्रियम पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर लेखिका डॉक्टर पूर्णिमा पाण्डेय ने अपनी पुस्तक की रचना व्यवस्था का

विवरण दिया। अपने संस्मरण और एक मुक्तक ष्जो पर्व महाकुंभ प्रयागराज। /आस्था का मेला जन समाज।।/यह पुस्तक काव्य संस्मरण है,/करती अर्पित सस्नेह आज।।ष सुनाया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर डाक्टर रवि कुमार मिश्र ने कहा प्रयागराज की महिमा को चित्रित करती यह रचना बहुत दूर तक जाएगी। अध्यक्ष डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि यह पुस्तक महाकुंभ का सजीव चित्रण करती है। ब्रह्म दरबार साधना केंद्र पीठाधीश्वर संत जय महाराज ने पुस्तक और कवयित्री के बारे में बताया। विशिष्ट अतिथि स्वामी कृष्णानन्द महाराज, युवराज अमरेन्द्र, कृष्ण गोस्वामी महाराज और डॉक्टर प्रदीप चित्रांशी अध्यक्ष साहित्याञ्जलि प्रज्योदि, डॉक्टर रामलखन चौरसिया, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, डाक्टर इंदु प्रकाश मिश्र जमदग्नि ने भी पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त किए। बालक उत्कर्ष मिश्र ने एक सुंदर गीत सुनाया। इस अवसर पर राकेश पाण्डेय व पूर्णिमा पाण्डेय ने सभी संभ्रांत व्यक्तित्व को अंगवस्त्र और मुक्ताहार से सम्मानित किया। इस अवसर पर पंडित अमित पाण्डेय, आचार्य शिवेन्द्र सारस्वत, आशीष मिश्र, कमला मिश्र ,राजश्री शुक्ल, विनोद, डॉक्टर प्रतिभा, अंजू, किरन, रमा पाण्डेय, अलका रंजना, , पूनम, प्रियम, आश्विन, डॉक्टर वीरेंद्र तिवारी, अरविन्द मिश्र, केशव सक्सेना आदि उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन प्रकाशक रंजन पांडेय ने किया।धन्यवाद ज्ञापन शिविर के प्रबंधक आचार्य शिवेंद्र सारस्वत ने किया।

श्री देवरहा बाबा सेवाश्रम शिविर त्रिवेणी मार्ग पर मेले में बसंतोत्सव में बही काव्यगंगा

श्री गुरुदेव भगवान की जन्म जयंती पर कवियों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। माघ मेला प्रयागराज में पुल नंबर दो पर श्री देवराहा बाबा सेवाश्रम शिविर में आयोजित कवि सम्मेलन में देर रात तक काव्य गंगा प्रवाहित होती रही जिसमें सभी सम्मानित कवियों को अंगवस्त्र , श्री देवरहा बाबा साहित्य और सम्मान राशि देकर अभिनंदित किया गया। श्री देवरहा बाबा सेवाश्रम के संस्थापक श्री गुरुदेव भगवान की जन्म जयंती पर बसंतोत्सव पर डा ० शंभूनाथ

त्रिपाठी अंशुल की अध्यक्षता में आयोजित कवि सम्मेलन में देर रात तक काव्य गंगा प्रवाहित होती रही और कवियों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मां सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर रहे डॉ अल्प नारायण त्रिपाठी ने कवि सम्मेलन में श्रोताओं से वाहवाही बटोरी और डॉ राम लखन चौरसिया वागीश , स्वामी रामकिंकर दास जी ,सुधाकांत मिश्र बेलाला , शिवाकांत त्रिपाठी सरस की वासंती गीतों कविताओं व दोहों तथा आध्यात्मिक भजनों से उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया जो देर रात तक काव्य गंगा में डुबकी लगाते हुए तालियों से पूरे पांडाल को गुंजायमान कर रहे थे। शिविर में आयोजित कवि सम्मेलन में मंचासीन स्वामी डॉ रामेश्वर प्रपन्नाचार्य शास्त्री जी महाराज ने सनातन संस्कृति को समृद्ध करने वाले श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वह अपने संचित पुण्यों से कुछ अंश राष्ट्र सेवा में समर्पित करके विशेष फल प्राप्त कर सकते हैं, इसके लिए उन्हें सनातन परंपरा को आगे बढ़ाने में सहायक होना चाहिए। डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय के संचालन में सम्पन्न हुआ यह कवि सम्मेलन माघ मेला में बहुत चर्चा का विषय बन गया है और यह अपने आप में सारस्वत अनुष्ठान के रूप में देखा जा रहा है। आयोजन में आए सभी कवियों को आश्रम की ओर से अभिनंदित किया गया जिससे वह अभिभूत हो उठे। इस अवसर पर स्वामी विशेश्वर प्रपन्नाचार्य जी पंडित राम गोपाल पाण्डेय , राजेश्वर मिश्रा एडवोकेट, शांता प्रसाद शुक्ल ,संतोष प्रपन्नाचार्य जी, अशोक कुमार मिश्रा, आशुतोष मिश्र, सिद्धांत तिवारी सहित अन्य आश्रम शिविर में कल्पवास कर रहे श्रद्धालु भक्तों ने अपनी उपस्थिति सादर प्रस्तुत किया।

सम्पादकीय.....

सीतारमण के नौवे बजट से उम्मीदे

केंद्रीय बजट 2026–27 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। हॉलाकि हमेशा ही देश बजट 25 प्रतिशत और 75 प्रतिशत की हैसियत के रूप में देखा गया है। आम आदमी की जरूरत रोटी कपड़ा और मकान की प्राथमिकता किसी बजट में नही रही । जबकि सबसे ज्यादा बजट में दरकार इसी की होनी चाहिए। आज भी देश के 75 प्रतिशत आबादी की आय और महंगाई में जमीन आसमान का अन्तर है। लेकिन हर सरकार ने नौकरी पेशा, व्यापारी, धन्नासेठों और नेताओं के हिसाब वाले बजट को प्राथमिकता दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को अपना लगातार नौवां बजट पेश करने वाली हैं। मोदी 3.0 सरकार के इस तीसरे पूर्ण बजट से देश के करोड़ों टैक्सपेयर्स, विशेषकर मध्यम वर्ग, वरिष्ठ नागरिकों और निवेशकों को बड़ी उम्मीदें हैं। वैसे भी बजट का नाम आते ही सबसे पहले दिमाग में एक ही सवाल आता है इनकम टैक्स में क्या बदलेगा। खासकर मध्यमवर्गीय और नौकरीपेशा करदाता को इस बार इनकम टैक्स में राहत की उम्मीद है। महंगाई, बढ़ती ईएमआई और रोजमर्रा के खर्चों के बीच कर संरचना में बदलाव की मांग हमेशा ही रही है। हर साल की तरह इस बार भी आम लोगों की नजर बजट पर टिकी है। नौकरी पेशा, मीडिल क्लास परिवार हों वरिष्ठ नागरिक या फिर निवेश करने वाले लोग सबको टैक्स में थोड़ी राहत की उम्मीद है। सबसे खास बॉत यह कि बढ़ती महंगाई के बीच सीमित आय वाली देश की सर्वाधिक आबादी को महंगाई से राहत दिलाने वाले बजट की आस बनी हुई है।वैसे भी साल 2025 और 2026 में नई टैक्स व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री करने के ऐतिहासिक फैसले के बाद, इस बार उम्मीदों का बाजार और भी गर्म है। पिछले बजट में नए टैक्स रिजीम में 12 लाख तक की इनकम को टैक्स–फ्री कर दिया गया था, अब लोग और ज्यादा राहत की उम्मीद कर रहे हैं। वेतनभोगी कर्मचारियों की सबसे बड़ी मांग पुरानी टैक्स व्यवस्था में बदलाव को लेकर है। वैसे भी 2014 के बाद से धारा 80 सी के तहत 1.5 लाख रुपये की निवेश सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसे इस बार बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने की मांग लम्बे समय से की जा रही है। होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली छूट को 2 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने और मानक कटौती में बढ़ोतरी करने की मांग की जा रही है। लॉन्ग–टर्म कैपिटल गेन टैक्स में बदलाव की उम्मीद है, खासकर इक्विटी और म्यूचुअल फंड पर, ताकि निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिले। सरचार्ज कम हो और पीक टैक्स रेट 30 फीसदी के आसपास कैप हो जाए। शादीशुदा जोड़े की पति और पत्नी की आय को जोड़कर टैक्स की गणना की पुरानी डिमांड फिर से उठ रही है, जिससे सिंगल–इनकम फैमिली को फायदा हो सकता है। विवाहित जोड़ों की आय पर मिलकर टैक्स लगाने से परिवार के कुल टैक्स बोझ में कमी आ सके। जब दुनिया में ट्रेड टेंशन और अमेरिकी टैरिफ का दबाव है। लोगों को उम्मीद है कि सरकार ऐसे कदम उठाएगी जिससे इनका असर भारत पर कम पड़े। आम आदमी को नई इनकम टैक्स रिजीम में राहत, घर खरीदने वालों को रियल एस्टेट में सस्ती लोन और टैक्स बेनेफिट, और निवेशकों को गोल्ड–सिल्वर पर ड्यूटी या टैक्स राहत की आस है, ताकि जेब पर बोझ थोड़ा हल्का हो सके। तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद वैश्विक अस्थिरता और वित्तीय जोखिमों के बीच आने वाला यह बजट सरकार के आर्थिक एजेंडे की दिशा तय करेगा। कंपनियां टैक्स राहत, निवेश प्रोत्साहन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ाने की उम्मीद कर रही हैं, वहीं आम लोग आयकर राहत, महंगाई नियंत्रण और सामाजिक कल्याण योजनाओं की घोषणाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उम्मीद लगाई जा रही है कि सरकार घरेलू बजट उपभोक्ता पर ज्यादा से ज्यादा फोकस कर सकती है। वैसे अनुमान यह है कि सीतारमण राजकोषीय घाटा समेत 3 अहम मुद्दों का लेखा–जोखा व नजरिया पेश करेंगी। इनमें पहला सरकार का अगले वर्ष अर्थव्यवस्था की अनुमानित विकास दर और विभिन्न योजनाओं एवं विभागों पर होने वाला खर्च, दूसरा, सरकार विभिन्न स्रोतों से कितना राजस्व जुटाएगी, और तीसरा, घोषित व्यय और अपेक्षित राजस्व के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए सरकार को जो ऋण लेना पड़ता है, जिसे राजकोषीय घाटा कहा जाता है। यूनियन बजट 2026 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बनाई गई यूएस टैरिफ पॉलिसी के असर को कम करने की काफी संभावना है। यानी सरकार ऐसे उपायों का एलान कर सकती है, जिनसे यूएस टैरिफ का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे भारत के घरेलू ग्रोथ इंजन पर दबाव घटेगा। जानकारों का अनुमान है कि ग्लोबल ट्रेड पर दबाव बरकरार रहे।

हम भारत के लोग और हमारी हमेशा रहने वाली जिम्मेदारी

राजनाथ सिंह

भारत के पहले राष्ट्रपति, डा. राजेंद्र प्रसाद ने 16 मई, 1952 को पहली लोकसभा को संबोधित करते हुए संसद के सदस्यों को उनकी लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों की गंभीरता की याद दिलाई। उन्होंने यह साफ किया कि संविधान लागू होने, राष्ट्रपति के चुनाव और पहले आम चुनावों के साथ, आजाद भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का पहला चरण पूरा हो गया था और देश अब दूसरे चरण में जा रहा है, जिसमें कोई रुकावट नहीं आएगी। उनके अनुसार, लोकतांत्रिक यात्रा का दूसरा चरण तभी सफल होगा जब राज्य और शासन व्यवस्था लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए पूरी तरह समर्पित होगी।लोकतंत्र की एक परिभाषा के अनुसार, डैमोक्रेसी का मतलब है 'लोगों का, लोगों द्वारा और लोगों के लिए'। हमारे संविधान की प्रस्तावना में साफ तौर पर कहा गया है कि हमारे देश में सम्प्रभुता लोगों के पास है और यह संविधान भारत के लोगों ने अपने लिए बनाया है। इसलिए, संविधान को अपनाने के साथ ही 'लोगों का' सिद्धांत साकार हुआ।'लोगों द्वारा' साल 1952 में पहले आम चुनावों के साथ स्थापित हुआ, जब लोकसभा और विधानसभाओं के सदस्य वयस्क मताधिकार के आधार पर चुने गए। लेकिन लोकतंत्र का तीसरा जरूरी सिद्धांत–'लोगों के लिए' एक लगातार चलने वाला प्रोसैस है, जिसके बारे में डा. राजेंद्र प्रसाद ने बात की थी जब उन्होंने दूसरी स्टेज की यात्रा में कोई रुकावट न आने की बात कही थी। इन सभी बातों से यह बिल्कुल साफ हो जाता है कि संविधान और लोकतंत्र के पूरे सिस्टम के केंद्र में 'हम भारत के लोग' हैं और उनकी सामाजिक और आर्थिक तरक्की ही लक्ष्य है। यह लक्ष्य हमेशा से भारत की राजनीतिक चेतना का एक अहम हिस्सा रहा है। प्राचीन भारत में, 'योग–शेम' का सिद्धांत व्यक्ति की भलाई और सुरक्षा से जुड़ा था। महात्मा गांधी के 'सर्वोदय' के विचार के केंद्र में भी सभी का उत्थान है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अखंड मानवतावाद' और 'अंत्योदय' के सिद्धांत भी व्यक्ति के समग्र विकास और वंचित वर्गों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। नागरिकों को विकास के केंद्र में रखने की यह परंपरा वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति में भी शामिल है। संविधान में शामिल नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत, राज्य की जिम्मेदारी है कि वह काम करने वालों के लिए मानवीय और न्यायपूर्ण हालात सुनिश्चित करे। इसी दिशा में काम करते हुए, केंद्र सरकार ने हाल ही में 29 लेबर कानूनों को मिलाकर 4 लेबर कोड बनाए हैं। यह काम करने वालों को बेहतर आध्थक और सामाजिक सुरक्षा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पिछले कुछ सालों में लिए गए कई अहम पॉलिसी फैसलों की वजह से, सभी स्तरों पर मौकों की यह समानता बढ़ी है। इसका एक बड़ा उदाहरण स्टार्टअप इंडिया पहल है, जिसने हाल ही में 10 साल पूरे किए हैं। इसके तहत दिए गए पॉलिसी सपोर्ट, फाइनांशियल मदद और मैंटरशिप से आज किसी के लिए भी इंडस्ट्री शुरू करना बहुत आसान हो गया है। आर्थिक विकास तभी सबको साथ लेकर चलने वाला बनता है, जब मौके की समानता हो। यह इंकम में असमानता को कम करने में अहम भूमिका निभाता है। पिछले 12 सालों में सभी इकोनॉमिक पॉलिसीज इसी आइडिया से प्रेरित रही हैं। वर्ल्ड बैंक के सिप्रिंग 2025 पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ के मुताबिक, भारत ने पिछले दशक में 171 मिलियन लोगों को 'बहुत ज्यादा गरीबी' से बाहर निकाला है। रिजर्वेशन का फायदा सामाजिक रूप से पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर तबके को भी मिला है। राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज एक्ट, 2016 और मुस्लिम महिला (शादी पर अधिकारों का संरक्षण) एक्ट, 2019 जैसे कानूनों के जरिए सामाजिक न्याय को और मजबूत किया गया है। इज्जतदार जिंदगी सुनिश्चित करने की इस भावना का एक बड़ा उदाहरण स्वच्छ भारत मिशन है। यह सिर्फ सफाई पर फोकस करने वाली पहल नहीं थी, बल्कि उन करोड़ों लोगों की इज्जत वापस लाने की भी कोशिश थी, जो दशकों से खुले में शौच करने को मजबूर थे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना मुश्किल समय में लाखों भारतीय परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। इस योजना के 53 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, और 72 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण भारत से आते हैं। यह सामाजिक सुरक्षा का सबको साथ लेकर चलने का सबूत है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान किया, तो यह सिर्फ आर्थिक स्तर तक सीमित नहीं था, बल्कि नागरिकों में आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ाने की भी एक कोशिश थी। इसलिए, मुद्रा योजना और स्किल इंडिया मिशन जैसी पहलों के जरिए नागरिकों को आत्मनिर्भर और उद्यमी बनाने पर जोर दिया गया है। इससे आध्थक रूप से कमजोर तबके के लोगों को बहुत फायदा हुआ है, जो पैसे की कमी की वजह से अच्छी हैल्थकेयर से दूर थे। इसी तरह 'जन धन योजना' ने बड़ी संख्या में नागरिकों को सामान्य बैंकिंग से जोड़कर वित्तीय सुरक्षा दी है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। एक गणतांत्रिक प्रणाली की मजबूती सिर्फ इस बात पर ही

शिक्षा बच्चों को जिंदगी के लिए तैयार करने वाली होनी चाहिए, उनका बचपन छीनने वाली नहीं

देवी एम. चेरियन

यह बहुत दुखद दृश्य होता है जब आप छोटे बच्चों पर इतना ज्यादा दबाव देखते हैं। नर्सरी फॉर्म से लेकर कॉलेज कट–ऑफ तक–चिंता का लंबा सफर। यह अब पहले से कहीं ज्यादा जल्दी शुरू हो जाता है। यह एक डरावनी कहानी है जब आप युवा माता–पिता को टैंशन में देखते हैं, बोर्ड एग्जाम या करियर चुनने के लिए नहीं, बल्कि नर्सरी एडमिशन फॉर्म के लिए। एक बच्चा जो अभी–अभी डायपर से बाहर निकला है, उससे अचानक उम्मीद की जाती है कि वह सीधा बैठे, सवालों के जवाब दे और क्लासरूम इंटरव्यू में अजनबियों को इम्प्रेस करे। माता–पिता के लिए, खासकर मांओं के लिए, यह शिक्षा प्रणाली का पहला अनुभव होता है जो न सिर्फ बच्चे का, बल्कि पूरे परिवार के धैर्य का इम्तिहान लेती है। स्कूल एडमिशन का स्ट्रैस चुपचाप मॉडर्न पेरैंटिंग के सबसे थका देने वाले सफरों में से एक बन गया है। यह फाऊंडेशन क्लास और नर्सरी स्कूल से शुरू होता है और बिना रुके कॉलेज एडमिशन तक चलता रहता है। जो कभी एक दौर था, वह अब फॉर्म, इंटरव्यू, कोचिंग क्लास, तुलना और लगातार खुद पर शक करने की 10 साल लंबी मैराथन बन गया है। यह हर किसी को चिंतित और गुस्सा दिलाता है लेकिन फिर भी वे लाचार होते हैं। बच्चे के लिए, नर्सरी एडमिशन इंटरव्यू अक्सर डरावने की बजाय कन्फ्यूज करने वाले होते हैं। बच्चा नहीं समझ पाता कि अनजान बड़ों से भरा कमरा अचानक उससे उसका नाम, पसंदीदा रंग, या ऐसी चीजों की पहचान करने के लिए क्यों कह रहा है, जिन्हें उसने सिर्फ पिक्चर बुक में देखा है। कुछ बच्चे जम जाते हैं, कुछ रोते हैं, कुछ बोलने से मना कर देते हैं। 'शर्मीला', 'आत्मविश्वास की कमी' या 'तैयार नहीं' का लेबल चुपचाप लगा दिया जाता है, इससे बहुत पहले कि बच्चे को बड़ा होने का मौका मिले। मां के लिए, यह दौर भावनात्मक रूप से बहुत मुश्किल होता है। यह एक तरह की यातना है। उसे सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से बताया जाता है कि उसकी पेरैंटिंग की परीक्षा हो रही है। क्या उसने काफी कहानियां पढ़ीं? क्या उसने घर पर काफी इंगलिश बोली? क्या उसने 'सही' प्ले स्कूल चुना? मांएं इस अनदेखे दबाव को महसूस करती हैं कि 10 मिनट के इंट्रैक्शन में उनका बच्चा कैसा परफॉर्म करता है, इसके लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा। पिता भी चिंता करते हैं लेकिन अक्सर मां ही फॉर्म भरती है, इंटरव्यू में जाती है, स्कूलों से फॉलो–अप करती है और चुपचाप जजमैंट को सहती है। छोटे बच्चों के लिए कोचिंग क्लास एक असहज सच्चाई बन गई है। छोटे बच्चे 'इंटरव्यू की तैयारी' सैशन में जाते हैं जहां उन्हें सवालों के जवाब देने और सीधे बैठने की ट्रेनिंग दी जाती है। माता–पिता जानते हैं कि यह गलत लगता है, फिर भी उन्हें होता है कि वे अकेले ऐसे न हों, जो इसमें हिस्सा न लें। यहीं से पहला दबाव शुरू होता है–मुकाबला करने का दबाव, जल्दी तैयारी करने का दबाव, पीछे न रह जाने का दबाव। जैसे–जैसे बच्चे प्राइमरी स्कूल में जाते हैं, तनाव खत्म नहीं होता, बस अपना रूप बदल लेता है। असैसमैंट, रैंकिंग और तुलना धीरे–धीरे सामने आने लगती हैं। माता–पिता सैक्शन, टीचर और पीयर ग्रुप के बारे में चिंता करने लगते हैं। रिपोर्ट कार्ड में एक खराब टिप्पणी अचानक जरूरत से ज्यादा भारी लगने लगती है। जब तक मिडल स्कूल आता है, मुकाबला अब छिपा हुआ नहीं रहता। ओलिम्पियाड, एक्स्ट्रा क्लास, ट्यूशन और परफॉर्मैंस चार्ट रूटीन बन जाते हैं। माता–पिता अपने बच्चों को प्रोत्साहित करने और उन पर दबाव डालने के बीच तालमेल बिठाते हैं। इस बीच, बच्चे तारीफ को नंबरों से जोडने लगते हैं। आत्मविश्वास शध्तया हो जाता है। असली प्रैशर कुकर वाला दौर बोर्ड एग्जाम और कॉलेज एडमिशन के साथ आता है। सालों का जमा हुआ तनाव चरम पर पहुंच जाता है। वही बच्चा जो कभी नर्सरी के इंटरव्यू में लडखड़ाता था, अब उससे उम्मीद की जाती है कि वह उन कम्पीटिटिव एग्जाम को पास करे जिनमें लाखों छात्र बैठते हैं। दाव बहुत ज्यादा ऊंचे लगते हैं। माता–पिता कट–ऑफ, फॉर्म, काऊंसलिंग की तारीखों और पैसों के बारे में चिंता करते हैं, बच्चे फेल होने, तुलना और अपने परिवार को निराश करने के बारे में। जिस बात को शायद ही कभी माना जाता है, वह यह है कि एक चिंतित माता–पिता अनजाने में बच्चे में डर पैदा कर देते हैं। एक चिंतित बच्चा माता–पिता को और ज्यादा घबराहट देता है। दोनों एक ही चीज चाहते हैं–एक सुरक्षित, खुशहाल भविष्य–लेकिन सिस्टम उन्हें सर्वाइवल मोड में डाल देता है। और फिर भी, इस सब दबाव के बीच, माता–पिता से यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करें। उनसे कहा जाता है, 'तुम यह कर लोगे,' भले ही वे खुद अनिश्चित हों।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

मनभावन दिन आ गये, आया मधुर बसंत।
सुखदायी मौसम लगे, हुआ शीत का अंत।।
हुआ शीत का अंत, धूप में तेजी आयी।
पीली सरसों देख, लगे चूनर लहरायी।।
कहती रचना आज,ऋतु ये लगती पावन।
कोयल कूके आम, लगे दिन यह मनभावन।।

पीली सरसों खेत में, कोयल कूके डाल।
मनभावन दिन आ गये, पूछो रे मत हाल।।
पूछो रे मत हाल, लगे पुरवाई चलती।
महके आम में बौर, मौसमी सब्जी फलती।
कहती रचना आज, नहीं है हवा बर्फीली।
लगे तेज अब धूप, महकती सरसों पीली।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

ममता के खिलाफ शुभेन्दु की हुंकार

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस साल होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए बिगुल बजा दिया है। पार्टी के बड़े नेता अब ममता बनर्जी को सीधे निशाने पर ले रहे हैं। भाजपा के पश्चिम बंगाल में फायर ब्रांड नेता शुभेन्द्रु अधिकारी ने गत 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के साथ ही कोलकाता के सखेर बाजार इलाके में ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ जोरदार रैली निकाली। यह रैली मुख्य रूप से बिजली कटौती के विरोध, पानी की समस्या, शिक्षा में सुधार और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कथित आतंक एवं धमकियों को लेकर निकाली गयी थी। शुभेन्द्रु अधिकारी ने कहा कि अब समय आ गया है जब ममता बनर्जी को नवान्न अर्थात सचिवालय से उनके घर भेज दिया जाए। टीएमसी पर गुंडागर्दी और धमकी देने का आरोप भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेता भी लगाते रहे हैं लेकिन शुभेन्द्रु ने रैली में जनता से जुडे मुद्दों को उठाया। इसका प्रभाव पड़ सकता है। राज्य में घुसपैठियों को लेकर भी भाजपा ममता बनर्जी की सरकार को घेरती रही है। प्रदीप भंडारी ने यह आरोप भी लगाया है कि ममता बनर्जी की पार्टी घुसपैठियों को विधानसभा चुनाव लड़ा रही है। उन्हें टिकट दिया गया है। टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ताओं में झड़पें भी तेज हो गयी हैं। सखे बाजार में एक क्लब में लाउडस्पीकर को लेकर ही भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ता भिड़ गये। इसी के विरोध में शुभेन्द्रु ने सड़क पर मोर्चा संभाला। पीएम मोदी भी सिंगूर में रैली कर चुनावी बिगुल फूंक चुके हैं। ममता बनर्जी ने सीजेआई से लोकतंत्र और संविधान बचाने की अपील की है।

पश्चिम बंगाल में चुनावी हलचल तेज हो गई है। बीजेपी के फायरब्रांड नेता शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता के सखेरबाजार इलाके में ममता सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक रैली का नेतृत्व करते हुए उन्होंने लोगों से टीएमसी के कथित 'आतंक' और धमकियों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। शुभेंदु ने साफ शब्दों में कहा कि अब डरने का वक्त नहीं है, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नवान्न (सचिवालय) से उनके घर भेजने का समय आ गया है। शुभेंदु अधिकारी ने छोटे व्यापारियों, ऑटो रिक्शा चालकों और आम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें टीएमसी के गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, "अगर आप अभी अपनी आवाज नहीं उठाते हैं, तो मौका चूक जाएंगे।" शुभेंदु ने अपनी ताकत दिखाते हुए कहा, "देखिए हमने कुछ ही घंटों के नोटिस पर लोगों को कैसे एकजुट किया। बीजेपी पूरी ताकत से आपके साथ खड़ी है।" उनका मकसद आगामी विधानसभा चुनावों में निर्णायक मतदान के लिए लोगों को तैयार करना है। इस प्रदर्शन की वजह एक हिंसक झड़प थी। खबरों के मुताबिक, सखेरबाजार में एक स्थानीय क्लब में तेज आवाज में माइक्रोफोन (लाउडस्पीकर) बजाने को लेकर टीएमसी और बीजेपी समर्थकों में भिड़ंत हो गई थी। आरोप है कि टीएमसी कार्यकर्ताओं ने दादागिरी दिखाई थी। इसी के विरोध में शुभेंदु अधिकारी ने सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाला। इससे लगभग एक सप्ताह पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के सिंगूर एक जनसभा को संबधित करते हुए ममता सरकार पर जमकर बोला उन्होंने कहा कि बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है। राज्य में अब असली बदलाव की जरूरत है। बंगाल की जनता अब टीएमसी के महाजंगलराज को बदलना चाहती है। पीएम मोदी ने कहा था कि बंगाल में बीजेपी की डबल इंजन सरकार जरूरी है जहां भी डबल इंजन सरकार है वहां जबरदस्त काम हो रहा है। उन्हें केंद्र की योजनाओं का पूरा लाभ भी मिल रहा है। बंगाल में टीएमसी की सरकार गरीब कल्याण के काम में रुकावट डालती है। केंद्र की योजनाओं को आम जनता तक नहीं पहुंचने देना चाहती।

पीएम मोदी ने कहा था कि पश्चिम बंगाल की सरकार देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है इसलिए यहां के नौजवानों को बेहद सावधान रहना है। टीएमसी सरकार घुसपैठियों को बढ़ावा देती है। ये घुसपैठिये टीएमसी के पक्के वोट बैंक हैं। घुसपैठियों को बचाने के लिए टीएमसी किसी हद तक जा सकती है। केंद्र सरकार बार–बार चिट्ठी लिख रही है कि बंगाल के बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने के लिए जमीन चाहिए लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ता। टीएमसी वैसे गिरोहों को समर्थन देती है जो घुसपैठियों को संरक्षण देते हैं। अब समय आ गया है कि जो लोग भी फर्जी कागज बनाकर यहां घुलमिल गए हैं, उनकी पहचान करके वापस भेजना होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मेरा निरंतर प्रयास रहता है कि बंगाल के नौजवानों किसानों माताओं–बहनों की हर संभव सेवा करूं लेकिन यहां की टीएमसी सरकार। केंद्र सरकार की योजनाओं को आप तक ठीक से पहुंचने ही नहीं देती। टीएमसी तो बंगाल के लोगों से अपनी दुश्मनी निकाल रही है! टीएमसी यहां के नौजवानों, यहां की माताओं–बहनों, यहां के किसानों से दुश्मनी ठाने हुए है। विकास के काम में रुकावट डालने वाली हर सरकार को अब देश का जागरूक मतदाता लगातार सजा दे रहा है। दिल्ली प्रदेश में भी एक ऐसी ही सरकार थी, जो केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं होने देती थी। हम उनको कहते रहे कि दिल्ली के गरीब परिवारों के लिए मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान स्कीम लागू करो, लेकिन वो सुनते ही नहीं थे। इसलिए, दिल्ली की जनता ने उनको सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया और अब दिल्ली में आयुष्मान योजना से गरीबों का मुफ्त इलाज हो रहा है। बंगाल की जनता भी अब ठान चुकी है, यहां के लोग टीएमसी की निर्मम सरकार को सबक सिखाने वाले हैं। ताकि यहां भी भाजपा सरकार बने और आयुष्मान भारत योजना बंगाल में भी लागू हो, गरीबों को मुफ्त इलाज मिले।

उधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र की रक्षा करने का आग्रह किया। कलकत्ता उच्च न्यायालय के जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच के नए भवन के उद्घाटन के मौके पर सीजेआई सूर्यकांत के सामने ममता बनर्जी ने कहा कि न्यायपालिका हमारे संविधान की संरक्षक है। इस देश के सभी लोगों की ओर से हमारा अनुरोध है कि कोई जातिवाद या धर्मवाद नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सीजेआई से कहा कि बहुत सारी एजेंसियां बदनाम कर रही हैं। हमें बदनाम करने के जानबूझकर प्रयास किए जा रहे हैं। कृपया लोगों की रक्षा करें।

`रानी ने मुझे आत्मविश्वास दिया, मर्दानी 3 पर रणबीर कपूर का इमोशनल ट्रिब्यूट

“ उन्होंने अपने काम के जरिए हमारी इंडस्ट्री को परिभाषित किया है। उनके प्रोजेक्ट्स और किरदारों के चुनाव ने आज स्क्रीन पर महिलाओं को दिखाने का नजरिया ही बदल दिया है।“

रणबीर कपूर को यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि भारतीय फिल्म उद्योग पूरी तरह एकजुट होकर उनकी पसंदीदा अभिनेत्री रानी मुखर्जी के सिनेमा में 30 वर्षों के शानदार सफर का जश्न मर्दानी 3 के साथ मना रहा है। रानी, रणबीर कपूर की डेब्यू फिल्म सांवरिया में उनकी को–स्टार थीं और उनके करियर के शुरुआती दिनों में, जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत थी, रानी उनके साथ खड़ी थीं। यही वजह है कि रणबीर हर फिल्म, हर परफॉर्मेंस में रानी की जीत के लिए दिल से दुआ करते हैं। रणबीर कहते हैं,"रानी मेरी पहली फिल्म सांवरिया की को–स्टार थीं और वही पहली शख्स थीं जिन्होंने मुझसे कहा था कि अगर मैं मेहनत करूंगा, तो बहुत आगे जाऊंगा। उस बातचीत को मैं कभी नहीं भूल सकता क्योंकि उस वक्त, जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, उसने मुझे जबरदस्त आत्मविश्वास दिया। मैंने उन्हें एक इंसान के तौर पर बहुत करीब से देखा है, उनके काम को बहुत नजदीक से देखा है और उनकी गरिमा, आकर्षण और प्रतिभा से हमेशा अभिभूत रहा हूं।"

वह आगे कहते हैं,"उनकी 30 साल की आइकॉनिक विरासत का जश्न मनाने के लिए पूरे उद्योग का आगे आना वाकई अद्भुत है। मैंने हमेशा महसूस किया है कि रानी सदियों तक याद की जाने वाली कलाकार हैं –भारत की अब तक की सबसे महान अभिनेत्रियों में से एक। उन्होंने अपने काम के जरिए हमारी इंडस्ट्री को परिभाषित किया है। उनके प्रोजेक्ट्स और किरदारों के चुनाव ने आज स्क्रीन पर महिलाओं को दिखाने का नजरिया ही बदल दिया है।"रणबीर यह भी बताते हैं कि रानी अपने सिनेमा के जरिए सिर्फ खुशी फैलाना चाहती हैं। वह कहते हैं,"धन्यवाद रानी – फिल्मों के लिए, यादों के लिए, उस नॉस्टैल्जिया के लिए और उन दमदार परफॉर्मेंस के लिए। वह एक ऐसी एंटरटेनर हैं जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी लोगों को खुश करने के लिए समर्पित कर दी है। मेरे लिए यह शब्दों में बताना मुश्किल है कि उनकी फिल्मों का मुझ पर कितना गहरा असर रहा है।"रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है और यह फिल्म इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर केंद्रित मर्दानी फ्रेंचाइजी, अपने हर हिस्से में एक सख्त और जरूरी सामाजिक मुद्दा उठाती रही है। इस बार मर्दानी 3 देशभर में कम आय वर्ग से आने वाली 8–9 साल की मासूम बच्चियों के अपहरण के गंभीर मुद्दे को उजागर करेगी, जिसके पीछे एक बेहद डरावनी सच्चाई छिपी है। अभिराज मिनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित मर्दानी 3, सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की इस फ्रेंचाइजी की परंपरा को आगे बढ़ाती है। जहां मर्दानी ने मानव तस्करी की भयावह सच्चाइयों को सामने रखा और मर्दानी 2 ने व्यवस्था को चुनौती देने वाले एक सीरियल रेपिस्ट की विकृत मानसिकता को उजागर किया, वहीं मर्दानी 3 समाज की एक और अंधेरी और क्रूर सच्चाई में उतरती है, जिससे इस फ्रेंचाइजी की प्रभावशाली, मुद्दा–आधारित कहानी कहने की विरासत और मजबूत होती है।

करण जौहर ने कर दिया बड़ा ऐलान, हफ्तेभर के लिए त्यागी सबसे पसंदीदा चीज

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर करण जौहर ने हाल ही में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि वे हफ्तेभर के लिए शोसल मीडिया करेंगे। इस दौरान वे किसी भी तरह की ऑनलाइन गतिविधि नहीं करेंगे। इसका मतलब है कि वे ना कोई पोस्ट करेंगे, ना स्टोरी डालेंगे और ना ही किसी के क्डे का जवाब देंगे। करण ने इंस्टाग्राम पर अपने शोसल मीडिया की जानकारी देते हुए यूनिवर्स से मदद की गुहार लगाई। उन्होंने लिखा, "यूनिवर्स मुझे शक्ति दें।" इसका उद्देश्य है कि वे इस ब्रेक के दौरान अपने फोन और सोशल मीडिया से दूर रह सकें। शोसल मीडिया का मतलब है कुछ समय के लिए सोशल मीडिया और फोन से दूर रहकर मन और मस्तिष्क को शांति देना। करण जौहर का यह कदम इस बात को दर्शाता है कि सोशल मीडिया की आदत कितनी मजबूत हो सकती है और ब्रेक लेने से नई ऊर्जा मिलती है। करण जौहर इन दिनों बॉलीवुड की सफलता से खुश हैं। उन्होंने हाल की फिल्मों धुरंधर और बॉर्डर 2 की तारीफ की और कहा कि सिनेमाघरों में दर्शक वापस आ रहे हैं। उनका यह सोशल मीडिया ब्रेक शायद उन्हें नई ऊर्जा देगा और आने वाले नए प्रोजेक्ट्स के लिए तैयार करेगा।

हाई–एनर्जी बीट्स के साथ रिलीज हुआ ओ'रोमियो का दूसरा गाना 'आशिकों की कॉलोनी'

साजिद नाडियाडवाला की बहुप्रतीक्षित फिल्म ओ'रोमियो अपने ट्रेलर को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में है और अब फिल्म का दूसरा गाना 'आशिकों की कॉलोनी' रिलीज होकर इस एक्साइटमेंट को और भी ऊँचाई पर ले जाता नजर आ रहा है। यह गाना एक हाई–एनर्जी डांस नंबर है, जो सुनते ही दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देता है। 90 के दशक की विजुअल फील और आज के मॉडर्न बीट्स का खूबसूरत मेल इस गाने को खास बनाता है। 'आशिकों की कॉलोनी' में नॉस्टैल्जिया और समकालीन संगीत का ऐसा संतुलन देखने को मिलता है, जो इसे बाकी गानों से अलग पहचान देता है। गाने की धुन जहां पुराने बॉलीवुड डांस नंबर्स की याद दिलाती है, वहीं इसकी बीट्स और अरेंजमेंट पूरी तरह से आज के युवाओं के टेस्ट के हिसाब से तैयार किए गए हैं। इसका कैची हुक लाइन गाने को बार–बार सुनने लायक बनाती है। इस गाने की सबसे बड़ी खासियत है इसकी दमदार क्रिएटिव टीम। संगीतकार विशाल भारद्वाज, गीतकार गुलजार और गायक मधुबंती बागची व जावेद अली की यह जुगलबंदी एक बार फिर जादू बिखेरती नजर आती है। गुलजार के शब्दों में सादगी और शरारत दोनों झलकती है, वहीं विशाल भारद्वाज का म्यूजिक क्लासिक टच के साथ फ्रेश फील देता है। गाने को टी–सीरीज ने प्रस्तुत किया है। ऑन–स्क्रीन बात करें तो शाहिद कपूर और दिशा पाटनी की यह पहली जोड़ी दर्शकों के लिए एक नया और रोमांचक अनुभव लेकर आई है। दोनों की केमिस्ट्री फ्रेश, एनर्जेटिक और बेहद नैचुरल लगती है। रंगीन और उत्सव जैसे माहौल में फिल्माया गया यह गाना विजुअली भी काफी आकर्षक है। शाहिद कपूर अपने रग्ड और स्टाइलिश लुक में नजर आते हैं और एक खास माइकल जैक्सन इंस्पायर्ड मूव से गाने में सरप्राइज एलिमेंट जोड़ते हैं। वहीं दिशा पाटनी अपने कॉन्फिडेंट अंदाज, ग्रेस और फ्लूइड डांस मूव्स से स्क्रीन पर चार चांद लगा देती हैं।

भारतीय दिल से जुड़ा यह गाना, थ्रोबैक फ्लेवर और मॉडर्न टच के साथ, क्लासिक बॉलीवुड डांस नंबर्स की याद दिलाता है। मस्ती, जोश और

2002 में फिल्म सोच से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अदिति गोवित्रिकर ने अपने करियर और निजी जीवन से जुड़ी कई मुश्किलों का हाल ही में खुलासा किया। अदिति ने 2001 में मिसेज वर्ल्ड का खिताब जीता था और इसके बाद उन्हें 16 दिसंबर, पहेली, दे दना दन जैसी फिल्मों के अलावा बिग बॉस 3 और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज में भी देखा गया। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अदिति ने बताया कि उन्हें इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि उसी समय लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा जैसे प्रतियोगियों को ज्यादा मौके और शोहरत मिली, जबकि उन्हें वही सफलता नहीं मिली। अदिति ने अपने जीवन के कुछ दर्दनाक अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि वे मुश्किल से छह–सात साल की थीं, जब उनके पिता के एक दोस्त ने उनके साथ घटिया हरकत की थी। इसके बाद उन्हें सुरक्षा को लेकर हमेशा सतर्क रहना पड़ता था, खासकर जब वे मुंबई में पढ़ाई करने लगीं। उन्होंने बताया कि 12वीं में अग्रवाल क्लासेस के लिए दादर आती थीं, और लोकल ट्रेनें उनके लिए सुरक्षित विकल्प नहीं थीं, इसलिए बस का इस्तेमाल करती थीं। अदिति ने कहा कि कम उम्र में ऐसे माहौल में बचाव के लिए खुद को तैयार करना पड़ता है। अदिति ने बताया कि उन्होंने हमेशा अपने साथ बड़े बैग रखे, जिनमें हार्डबोर्ड की किताबें डालकर उन्हें ढाल की तरह इस्तेमाल किया। अगर उन्हें सीट मिल जाती थी तो दोनों तरफ बैग रखकर अपने आप को सुरक्षित करती थीं। उनका कहना है कि इन अनुभवों ने उन्हें जीवनभर सावधान और मजबूत बनाया। अदिति ने कहा कि ये घटनाएं उनके लिए हमेशा ट्रॉमा रही हैं। उनका अनुभव बताता है कि छोटी उम्र में अपमान और सुरक्षा की कमी का एहसास कितना गहरा होता है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने उन्हें बचपन में ही आत्मरक्षा के तरीके सीखने पर मजबूर किया।

जो ताकत मोहब्बत में है, वो बारूद में कहां फिल्म द केरल स्टोरी 2 का मोशन पोस्टर रिलीज

विपुल अमृतलाल शाह साल 2023 में फिल्म द केरल स्टोरी लेकर आए थे। अब वे इसका सीक्वल द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड! लेकर आ रहे हैं। फिल्म का मोशन पोस्टर आज बुधवार को रिलीज किया गया है। सीक्वल में एक और खौफनाक कहानी दर्शक देख पाएंगे। यह फिल्म इसी साल फरवरी में रिलीज होगी। फिल्म श्द केरल स्टोरी 2 का मोशन पोस्टर सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इसे देखकर लग रहा है कि सीक्वल में एक बार फिर दर्शक किसी दिल दहला देने वाली कहानी से रूबरू होंगे। इस फिल्म का टीजर 30 जनवरी को जारी किया जाएगा। फिलहाल, आज रिलीज हुए मोशन पोस्टर में कुछ युवतियों के चेहरे दिखाए हैं। दहशत और खौफ उनके चेहरे पर साफ नजर आ रहा है। माथे पर तिलक लगा है, जो धुल रहा है और इसी के साथ कई चोट के निशान हैं। फिल्म द केरल स्टोरी का निर्देशन सुदीप्तो सेन ने किया था। वहीं, सीक्वल के निर्देशन की कमान कामाख्या नारायण सिंह ने संभाली है। द केरल स्टोरी 2 फिल्म, 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बार नए मुख्य कलाकारों को शामिल किया है। फिल्म में उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा नजर आएंगी। फिल्म द केरल स्टोरी में केरल की तीन हिंदू लड़कियों (शालिनी, नीमा, गीतांजलि) की कहानी दिखाई गई थी, जिन्हें प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जाता है। इसके बाद उन्हें आईएसआईएस आतंकी संगठन में शामिल होने के लिए अफगानिस्तान भेजा जाता है। फिल्म को लेकर दावे किए गए कि यह सच्ची घटनाओं पर है। इस फिल्म पर काफी विवाद हुआ था, मगर बॉक्स ऑफिस पर इसने खूब सफलता भी बटोरी।

आपको भी है गेंहू से एलर्जी तो खाएं इस आटे की रोटियां, होंगे कई स्वास्थ्य लाभ

भारतीय घरों में गेंहू के आटे से बनी रोटियों की ही सेवन किया जाता है। यह हमारे आहार का मुख्य हिस्सा होती हैं, इसके बिना डाइट भी कंप्लीट नहीं मानी जाती। परंतु कुछ लोगों को गेंहू से एलर्जी होती है जिसके चलते हैल्थ एक्सपर्ट्स रोगियों को गेंहू की रोटी खाने से परहेज रखने के लिए कहते हैं। इसके अलावा उन्हें गेंहू की रोटी खाने की जगह किसी अन्य अनाज से बनी रोटी खाने की सलाह भी देते हैं। अगर आपको भी गेंहू के आटे से एलर्जी है तो आप इन आटे से बनी रोटियों का सेवन कर सकते हैं। इस अनाज से बनी रोटियों का सेवन करने से आपको कई तरह के फायदे होंगे। तो चलिए आपको बताते हैं कि गेंहू के अलावा आप किस आटे का सेवन कर सकते हैं...

इसलिए होती है गेंहू के आटे से एलर्जी

गेंहू में ग्लोबुलिन, ग्लिएडिन, एल्बुमिन और प्रोटीन पाया जाता है। इन सारे पोषक तत्वों के कारण लोगों को एलर्जी हो सकती है। इसके अलावा कई रोगों के मरीजों को डॉक्टर गेंहू की रोटियों की जगह अन्य अनाज से बनी रोटियां खाने की भी सलाह देते हैं।

रागी का आटा

यदि आपको गेंहू से एलर्जी है तो आप रागी के आटे से बनी रोटियां खा सकते हैं। इस आटे का इस्तेमाल देश के कई राज्यों में भी किया जाता है। उत्तर भारत में यह आसानी से मिलता है। उत्तराखंड में रागी को मंडुआ के नाम से जाना जाता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर और आयरन काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। खासकर डायबिटीज के रोगियों के लिए यह आटा बहुत ही फायदेमंद होता है।

मकई का आटा

मकई का आटा भी भारत में काफी इस्तेमाल किया जाता है। इसका इस्तेमाल कई अलग–अलग रुपों में किया जा सकता है। मकई के आटे में विटामिन–सी, विटामिन–ए, विटामिन–के, बीटा–कैरोटीन और सेलेनियम पाया जाता है। इसके अलावा इसमें आयरन काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो खून की कमी दूर करने में मदद करता है।

कुट्टू का आटा

कुट्टू का आटा मुख्य रुप से व्रत में खाया जाता है। खासकर नवरात्री व्रत में इसका सेवन भी किया जाता है। कुट्टू के आटे में विटामिन–बी2, नियासिन, राइबोफ्लेविन और बी कॉम्पलेक्स काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें फैट, कार्ब्स, प्रोटीन, फॉस्फोरस और आयरन मौजूद होता है। कुट्टू का आटा खाने से रक्त संचार अच्छे से होता है।

ज्वार का आटा

शरीर को गर्म रखने के लिए आप ज्वार के आटे का सेवन कर सकते हैं। इसमें ग्लूटेन नहीं पाया जाता है। इसके अलावा इस आटे का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इस आटे में कैल्शियम, पोटैशियम और आयरन काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

महिलाओं को होता है सबसे ज्यादा इन 5 बीमारियों का खतरा, जानिए कारण और बचाव के तरीके

महिलाएं अक्सर काम, पढ़ाई और परिवारिक जिम्मेदारी के कारण अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पातीं। इसके बाद अगर किसी बीमारी की शुरुआत भी होती है तो वे लक्षणों को पहचान नहीं पातीं और समय के साथ–साथ वे गंभीर बीमारी का रूप ले सकते हैं। इसलिए महिलाओं को अपनी सेहत की ओर खास ख्याल देना चाहिए। इस स्टोरी में हम महिलाओं को होने वाली कॉमन बीमारियां, उनके लक्षण और उनसे बचने के तरीके के बारे में जानेंगे....

1. ब्रेस्ट कैंसर

ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में सबसे कॉमन समस्या मानी जाती है। हार्मोनल बदलाव या अन्य कारणों से यह समस्या हो सकती है।दरअसल, जब ब्रेस्ट कोशिक के डीएनए को नुकसान होता है तब स्तन कैंसर होता है। ठत्ब्।1 और ठत्ब्।2 जीन का म्यूटेशन ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है और यह पैरेन्ट्स से बच्चों में पहुंच सकता है।ब्रेस्ट कैंसर की जांच मैमोग्राम और एमआरआई द्वारा की जाती है। ब्रेस्ट कैंसर का इलाज लम्पेक्टोमी द्वारा किया जाता है जो कि स्तन कैंसर के ट्यूमर हटाने की प्रयास है। वजन को कंट्रोल करके ब्रेस्ट कैंसर से बचा जा सकता है।

2. हार्ट डिसीज

हार्ट संबंधित समस्या पुरुष और महिलाओं में काफी कॉमन हो गई है। हार्ट इंसानी शरीर का सबसे जरुरी अंग है। जब भ्रूण बनता है तब से ही हार्ट अपना काम शुरु कर देता है और मृत्यु होने तक करता ही रहता है। महिलाओं को हार्ट संबंधित बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है जिनमें शामिल है–

एथेरोस्क्लेरोसिस

यह धमनियों के कठोर होने का कारण होती है। इससे दिल का दौरा और स्ट्रोक को जोखिम रहता है।

असामान्य धड़कन

इस स्थिति में हार्ट की रिदम असामान्य हो जाती है।

हार्ट मसल्स का कठोर होना

इस स्थिति में हार्ट के मसल्स मोटे और कठोर हो जाते है, जिसके कारण थकावट, पैरों में सूजन और सांस की तकलीफ होने लगती है।

हार्ट डिसीज के कारण

1. डायबिटीज
2. मोटपा
3.धूम्रपान
4. फैमिली हिस्ट्री
5.डिप्रेशन
6.किडनी की बीमारी
7. हाई ब्लड प्रेशर वाली महिलाओं में हार्ट रोग विकसित होने का खतरा ज्यादा होता है।

हार्ट डिसीज से बचने का तरीका

1. तली हुई चीजें और नमक का सेवन ना करें।
2. हेल्दी लाइफस्टाइल का चयन करें।
3. कम से कम हफ्ते में 3–4 दिन एक्सरसाइज जरुर करें।
4. शरब से दूर बनाएं।
5. दवाएं समय पर लें।
6. कोलेस्ट्रॉल,डायबिटीज और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखें
7. तनाव ना लें।
8. बैलेंस डाइट लें।

3.डिप्रेशन

महिलाएं कई बार उदास महसूस करती है।यदि ये भावनाएं लंबे समय तक हनी रहती है तो यह उस महिला और उसके आसपास के लोगों को प्रभावित कर सकती है। यह स्थिति डिप्रेशन कहलाती है। इसके बारे में खुलकर बात करनी चाहिए।

डिप्रेशन के ये हैं कारण

1. स्ट्रेस
2. पोषण की कमी
3. दिमाग में केमिकल का असंतुलन
4. कुछ जिंदगी में घटी घटनाएं
5. हेल्थ कंडीशन
6. हार्मोन असंतुलन

डिप्रेशन का इलाज

1. डिप्रशन से बचने के लिए खुलकर बात करें और डॉक्टर से भी मिलें।
2. डिप्रेशन से पीड़ित लोगों को पर्याप्त मात्रा में नींद लेनी चाहिए।
3. रोजाना एक्सरसाइज करनी चाहिए।
3. पौष्टिक डाइट वें।
4. सोशल नेटवर्किंग से दूर रहें।

4.मोटापा

महिलाओं में मोटापा पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के कारण हो सकता है। मोटापे से ग्रस्त महिलाओं को डायबिटीज और हार्ट संबंधित बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

मोटापा के ये हो सकते है कारण

1.स्ट्रेस
2.एक्टिव ना रहना
3. खाना न खाना
4.दवाएं ज्यादा लेना
5. डिप्रेशन
6. हार्ट की बीमारी
7. कैंसर

मोटापे को ऐसे करें कम

1.रोजना करें एक्सरसाइज
2.सही न्यूट्रिशन
3. लाइफस्टाइव में बदलाव
4. मिठाई से बचें
5. तली हुई चीजों से परहेज करें
6. ज्यादा खाने से भी बचें
5. डायबिटीज

डायबिटीज एक मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है तब होता है, जब शरीर पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता है। डायबिटीज दो तरह की होती है, टाइप 1 और टाइप 2

महिलाओं में डायबिटीज के कारण

1. बुढ़ापा
2. ज्यादा वजन हो जाना
3. एक्सरसाइज की कमी
4. हाई कोलेस्ट्रॉल
5. हाई ब्लड प्रेशर
6. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम

डायबिटीज से बचने का तरीका

1. अच्छी डाइट लें।
2. एक्सरसाइज करें।
3. वजन बढ़ने न दें।
4. शराब न पिएं।
5. पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।
6. तली हुई चीजों से परहेज करें।
7.हेल्डी ब्लड कोलेस्ट्रॉल बनाएं रखें।

पीरियड्स में डार्क चॉकलेट दिलाते हैं क्रैम्प्स से छुटकारा ?

जब आपको पीरियड्स आते हैं, तब आपको ज्यादातर क्या खाने का मन करता है ? आइस–क्रीम, चॉकलेट्स या तीखा–तला और मसलेदार।यह जानकर खुश हो जाइए की इनमें से एक ऐसी चीज है तो आपकी क्रेविंग क्या, पूरे पीरियड्स के दर्द को ही खत्म कर देगी। वह खास चीज है डार्क चॉकलेट। जी हां, डॉर्क चॉकलेट पीरियड्स में होने वाले दर्द और ऐंठन से छुटकारा दिला सकता है। हर महीने पीरियड्स के दैरान आप चॉकलेट का पूरा डिब्बा खा जाती है, उसमें सारा कसूर प्रोजेस्टेरोन हॉर्मोन का है। इस पर हुई रिसर्च में बताती है कि ये हार्मोन मेंसुरेशन साइकिल के सही प्रकार से काम करने का कारक होता है, पीरियड्स के बाद हमारी भूख भी इस हार्मोन के कारण बढ़ती है। क्या आप जानती हैं पीरियड्स में दर्द और ऐंठन से छुटकारा दिलाने में डार्क चॉकलेट का बहुत अहम योगदान है। दरअसल, यूएस नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में एक शोध में कहा गया है कि एक 100 ग्राम चॉकलेट का बार जिसमें 70 प्रतिशत से 85 प्रतिशत डार्क चॉकलेट होती है, उसमें 67 प्रतिशत आयरन और 58 प्रतिशत आरडीआई होता है। मैग्नीशियन के लिए बस यही न्यूट्रिएंट्स और इनका डिलीशियस स्वाद आपको आपकी पीरियड्स के दर्द से बचा लेता है।

चॉकलेट में मौजूद ये पोषक तत्व दूर करते हैं आपका दर्द

डार्क चॉकलेट में कोकोआ की मात्रा ज्यादा होने के कारण यह मैग्नीशियम का अच्छा स्त्रोत बन जाता है। जिसकी वजह से यह नेचुरल पेनरिलीवर है। जब आपको क्रैंप्स, टेंशन और शरीर में ऐंठन होती है, तब यही मैग्नीशियम आपके यूट्रस के मसल्स को आराम देता है। यह सारी जानकारी हमें "मैग्नीशियम रिसर्च पब्लिकेशन" के क्वार्टरली जनरल में प्रकाशित 2017 के अंक से प्राप्त हुई।

मूड को करता है बेहतर

ब्रिटिश जर्नल ऑफ क्लिनिकल फार्मोकोलॉजी में एक शोध ा पब्लिश हुआ है जिसमें बताया गया है कि डार्क चॉकलेट में सेरोटोनिन होता है, जिसको हैप्पी हॉर्मोन भी कहते हैं। सेरोटोनिन से हमारे शरीर में एंडोर्फिंस की उत्पादकता को बढ़ाता है और हमें हल्का महसूस कराता है। बल्कि आपको इसका जादू, एक झप्पी की तरह महसूस हो सकता है।

शरीर को ऊर्जा देता है डार्क चॉकलेट

पीरियड्स के दौरान बहुत सी महिलाओं का एनर्जी लेवल लो होता है। शरीर में आयरन की मात्रा कम होने की वजह से ऐसा महसूस होता है। आयरन द्वारा ही शरीर को ऑक्सीजन का संचार होता है, जब आप पीरियड्स से गुजर रही होती हैं तो जब बहुत सारे मिनरल्स का नुकसान होता है। यही नुकसान आपको बहुत सारी थकान और सुस्ती का अनुभव करा सकता है। डार्क चॉकलेट को आयरन और शुगर का रिच सोर्स माना जाता है, यह आपको भरपूर मात्रा में एनर्जी देती है। हां ! यह कुछ कम समय के लिए हो सकता है, लेकिन फिर भी इसके माध्यजम से एकदम आराम मिल जाता है।

क्या बांग्लादेश के हटने से 17.6 करोड़ दर्शक खो देगा आईसीसी, फैंस के हत्थे क्यों चढ़े पाकिस्तान के यूसुफ?

दुबई,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान दिया, जिसने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी। यूसुफ ने दावा किया कि बांग्लादेश को बाहर किए जाने से आईसीसी को भारी व्यूअरशिप नुकसान होगा। उन्होंने लिखा कि न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्कॉटलैंड, नेपाल, नीदरलैंड, आयरलैंड, नामीबिया, जिम्बाब्वे, श्रीलंका और अफगानिस्तान की संयुक्त व्यूअरशिप लगभग उतनी ही है जितनी अकेले बांग्लादेश की। दुनिया भर के दर्शकों से चलने वाले खेल में, बांग्लादेश की सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज करना संगतता और शासन पर सवाल उठाता है। क्रिकेट प्रभाव से नहीं, सिद्धांत से चलना चाहिए। यूसुफ का संकेत साफ था कि बांग्लादेश जैसे दर्शक–आधारित देश को हटाना आईसीसी के लिए लाभदायक नहीं है। हालांकि, यूसुफ के बयान के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कम्युनिटी नोट के जरिए उनकी बात को फैक्ट–चेक किया गया। नोट में लिखा गया, यूसुफ द्वारा बताए गए आंकड़े (178 और 176 मिलियन) वास्तविक व्यूअरशिप नहीं, बल्कि संबंधित देशों की जनसंख्या हैं। वैश्विक व्यूअरशिप शेयर में बांग्लादेश की हिस्सेदारी लगभग चार–पांच प्रतिशत है, जबकि ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में टीवी पैठ अधिक है। यानी यूसुफ के तर्क की नींव आंकड़ों पर नहीं बल्कि जनसंख्या पर थी, न कि वास्तविक क्रिकेट व्यूअरशिप पर। बांग्लादेश के हटते ही पाकिस्तान में एक

अलग तरह की बहस शुरू हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट से हटने का विकल्प पर विचार कर रहा है। इसी संदर्भ में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की और रणनीति पर चर्चा की। हालांकि, सरकार ने एक सप्ताह बाद अंतिम फैसला लेने की बात कही है, मगर बहिष्कार की स्थिति में पाकिस्तान को नुकसान हो सकता है। पीसीबी को कड़ी पाबंदियां, वित्तीय नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। इससे पीसीबी की आर्थिक स्थिति और बिगड़ सकती है, जिसका संकेत क्रिकेट विश्लेषकों ने पहले भी दिया है। यूसुफ का बयान व्यूअरशिप के मुद्दे पर बहस तो छेड़ गया, लेकिन फैक्ट–चेक ने स्पष्ट कर दिया कि तर्क गलत आंकड़ों पर आधारित था। दूसरी ओर, बांग्लादेश की सुरक्षा दावों को आईसीसी ने अस्वीकार करते हुए टूर्नामेंट आगे बढ़ा दिया है, जबकि पाकिस्तान अब भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। इतना ही नहीं, कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान के टूर्नामेंट को बहिष्कार करने से बांग्लादेश का रास्ता खुल जाएगा और उनकी फिर से एंट्री हो सकती है। पाकिस्तान को हाईब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसे में पाकिस्तान अगर बहिष्कार का फैसला लेता है तो उनकी जगह बांग्लादेश को शामिल कर लिया जाएगा। ऐसे में बांग्लादेश की श्रीलंका में खेलने की मांग भी पूरी हो जाएगी और पाकिस्तान के साथ खेला हो जाएगा।

संक्षिप्त

टूर्नामेंट के बहिष्कार की जगह अब भारत से मैच नहीं खेलेगा पाकिस्तान

दुबई,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की टी20 वर्ल्ड कप में भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। बांग्लादेश के बाहर होने के बाद स्कॉटलैंड के ग्रुप सी में शामिल होने से स्थिति और उलझ गई। इसी बीच, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की और अंतिम निर्णय इस सप्ताह घोषित होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का विकल्प भी खुला रखा है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान अपने शुरुआती दो मुकाबलों, नीदरलैंड (7 फरवरी) और अमेरिका (10 फरवरी) के बाद फैसला करेगा। यदि पाकिस्तान दोनों मैच जीतता है तो 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ मुकाबले का बहिष्कार करने की संभावना बढ़ सकती है। पीसीबी एक सूत्र के हवाले से कहा गया, अगर पाकिस्तान ये दोनों मुकाबले जीतता है, तो भारत के खिलाफ फॉरफिट की संभावना मजबूत होगी। इसका मतलब है कि पाकिस्तान डर गया है। टीम टूर्नामेंट तो खेलेगी, लेकिन अपने टीम के प्रदर्शन पर पीसीबी फैसला करेगा, क्योंकि उसे भरोसा नहीं है कि उसकी टीम ये दो मैच जीतेगी या नहीं। अगर नहीं जीतती है और एक भी मैच हारती है तो टूर्नामेंट में आगे बढ़ने और लाज बचाने के लिए उसे बेशर्मों की तरह इतना कुछ होने के बाद भारत के खिलाफ मैच खेलना पड़ेगा। पीसीबी को अभी कुछ फैसला लेने में झिझक हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने पर औपचारिक विरोध दर्ज कराने की योजना भी बना रहा है। बोर्ड आईसीसी को एक पत्र लिखकर इस फैसले पर असंतोष जताएगा और वर्ल्ड कप के दौरान प्रतीकात्मक विरोध की जानकारी भी देगा। रिपोर्ट में एक सूत्र ने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड वर्ल्ड कप के दौरान विरोध को लेकर आईसीसी को पत्र लिखने वाला है।

श्रीकांत ने क्यों कहा– अरे पाकिस्तान. ..मत आना? पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को भी दी चेतावनी

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने एक बार फिर क्रिकेट और राजनीति को साथ जोड़कर विवाद खड़ा कर दिया है। बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप 2026 से हटाए जाने के बाद नकवी ने संकेत दिए कि पाकिस्तान एकजुटता दिखाने के लिए टूर्नामेंट से हट सकता है। इस बयान पर भारत के 1983 विश्व कप विजेता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कड़ा रिएक्शन दिया है। बांग्लादेश ने अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू (जैसे श्रीलंका) में कराने की मांग की थी, जो स्वीकार नहीं हुई। इसके बाद बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। इसी मुद्दे पर मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान टी20 विश्व कप से हटने पर विचार कर रहा है। नकवी की यह टिप्पणी पाकिस्तान में राजनीतिक हलकों में खूब चल रही है, पर क्रिकेट विशेषज्ञ इसे राजनीति साधने का प्रयास भी कह रहे हैं। मोहसिन नकवी के बयान पर टीम इंडिया के पूर्व ओपनर और वर्ल्ड कप चैंपियन कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चौनल पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अरे पाकिस्तान, मत आना। तुम्हारे मोहन नकवी बोल रहे हैं न.... मत आना। वरना पिट जाओगे। कोलंबो में छक्का मारा तो चेन्नई में गिरेगा। सबसे अच्छा ऑप्शन है बहाना ढूंढो और मत आओ। श्रीकांत यहीं नहीं रुके, उन्होंने टीम इंडिया की जबरदस्त फॉर्म का उदाहरण देते हुए कहा, शपिछले मैच में भारत ने 15 ओवर में 209 किए, इस बार 10 ओवर में 150। इसे देखकर कई टीमें बोलेंगी– हम नहीं आ रहे, कप तुम रख लो। ऐसी हिटिंग टी20 में कभी नहीं देखी। दिलचस्प बात यह है कि नकवी के बयान के कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 स्क्वॉड का एलान कर दिया, लेकिन भागीदारी पर अब भी अनिश्चितता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीसीबी मैनेजमेंट ने कहा कि सरकार से अब तक हरी झंडी नहीं मिली है। लाहौर में खिलाड़ियों और कोचों से नकवी ने कहा, हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं। सरकार जो कहेगी वही करेंगे। अगर वे कहेंगे कि नहीं जाना, तो हम नहीं जाएंगे।

अब तो भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करना भी पाकिस्तान को पड़ेगा भारी! 348 करोड़ रुपये दांव पर?

दुबई,एजेंसी। टी20 विश्व कप से पहले चल रहे बवाल ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। पहले बांग्लादेश भारत में मैच नहीं खेलने की जिद्द पर अड़ा रहे और फिर उसे आईसीसी ने टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इसके बाद अब पाकिस्तान का ड्रामा चालू हो गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की, जिससे कयास लगाए जाने लगे कि पाकिस्तान या तो टूर्नामेंट का बहिष्कार करेगा या भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगा, लेकिन इस चर्चा के गंभीर कानूनी और आर्थिक नतीजे सामने आए हैं। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर पाकिस्तान में चल रही राजनीति और कूटनीति ने क्रिकेट के मैदान से बाहर भी हलचल बढ़ा दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अन्य क्रिकेट बोर्ड्स की तरह आईसीसी मेंबर पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हुए हैं, जो कानूनी रूप से बाध्यकारी है। इसका मतलब है कि टूर्नामेंट या किसी मैच का बहिष्कार सीधे आईसीसी के नियमों का उल्लंघन होगा। इससे न सिर्फ पीसीबी पर कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं, बल्कि प्रसारकों द्वारा भी मुकदमे दायर होने की पूरी संभावना है।

जनता के लिए समर्पित नेता अब हमारे बीच नहीं, अजित पवार के निधन पर भावुक हुए सचिन तेंदुलकर

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के अचानक हुए निधन ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। राजनीतिक गलियारों से लेकर आम लोगों तक शोक की लहर फैल गई है। इसी बीच भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी गहरे दुख में डूबे नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए अजित पवार को एक समर्पित, जनता से जुड़ा और राज्य की सेवा में जुटे रहने वाला नेता बताया। सचिन के मुताबिक, अजित पवार का जाना महाराष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है। सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, श्अजित पवार के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। महाराष्ट्र ने अचानक एक ऐसे अच्छे और समर्पित नेता को खो दिया है, जिन्होंने राज्य के लिए काम किया, पूरे राज्य में जनता के लिए काम किया। मैं पवार परिवार के दुख में सहभागी हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। हार्दिक संवेदनाएं। शांति।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, लियरजेट–45 (स्मंतरमज 45, रजिस्ट्रेशन टजै.ज्ञ) विमान, जिसे निजी ऑपरेटर वीएसआर संचालित कर रहा था, बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा बुधवार सुबह पौने नौ बजे के आसपास हुआ। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और एयरपोर्ट सुरक्षा कर्मी पहुंच गए, लेकिन किसी को जीवित नहीं बचाया जा सका।

हादसे के बाद घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, लेकिन शुरुआती जानकारी में ही स्पष्ट हो गया कि कोई भी जीवित नहीं बचा। निर्देशालय नागरिक उड्डयन ने इस दुर्घटना को लेकर जांच के आदेश दे दिए हैं। विमान किस तकनीकी या अन्य कारण से दुर्घटनाग्रस्त हुआ, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि लैंडिंग के समय विमान ने क्रैश–लैंडिंग की और रनवे से पार जाकर टूट गया। अजित पवार के अचानक निधन से महाराष्ट्र की राजनीति में सदमे की लहर फैल गई है। राज्य और केंद्र सरकार के तमाम वरिष्ठ नेता स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अजित पवार का बारामती से दशकों पुराना राजनीतिक और भावनात्मक जुड़ाव रहा है। ऐसे में यह दुर्घटना न सिर्फ राजनीतिक मोर्चे पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी गहरा आघात छोड़ रही है।

बैंकिंग हड़ताल से 4 लाख करोड़ रुपये के चेक क्लियरेंस में अटके

नई दिल्ली यूएफबीयू की हड़ताल में सरकारी बैंकों की विभिन्न यूनियनों के 8 लाख कर्मचारियों ने भाग लिया। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉई एसोसिएशन के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने बताया, नकद लेनदेन प्रभावित हुए और बिल ट्रेडिंग, बिल डिस्काउंटिंग और ट्रेडिंग पर असर पड़ा। सरकारी बैंकों में कई जगहों पर ट्रेजरी संचालन भी बंद रहा।

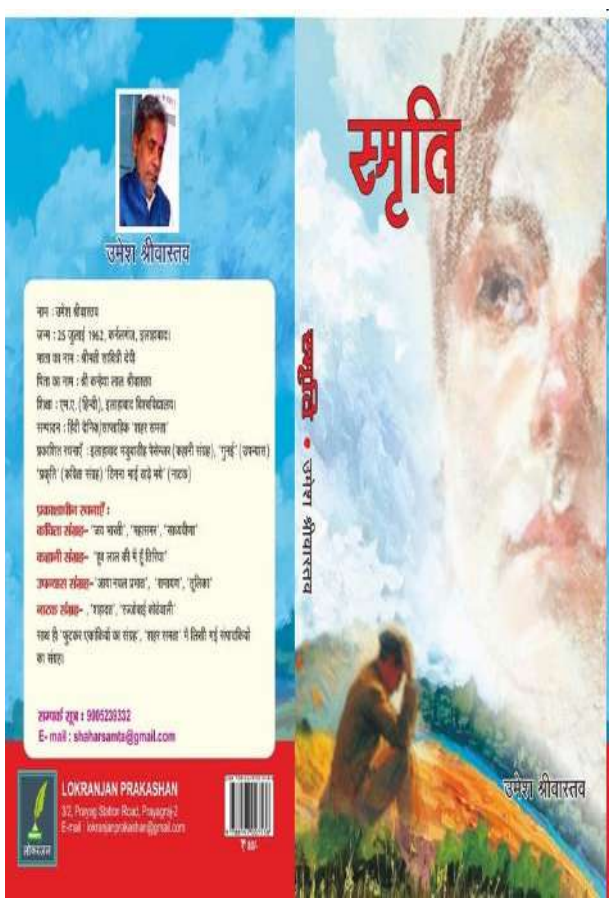

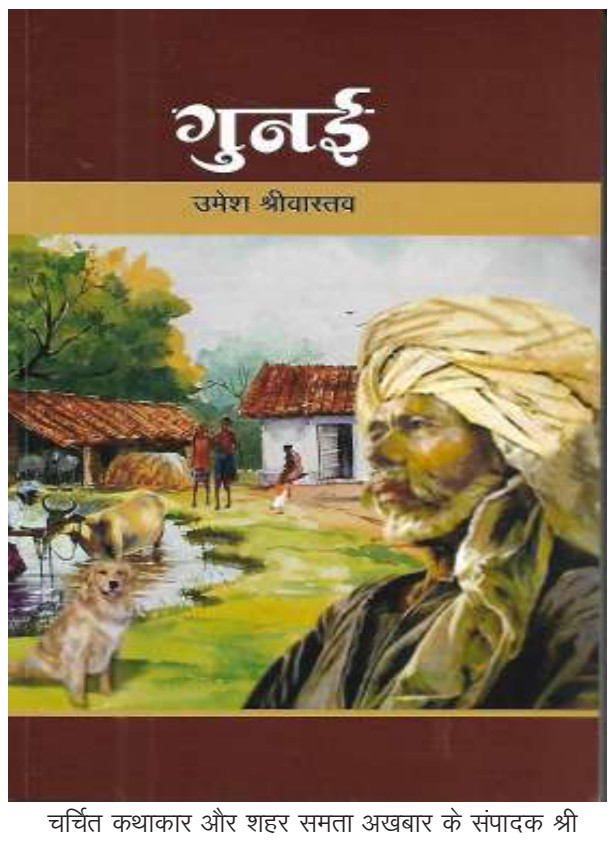

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

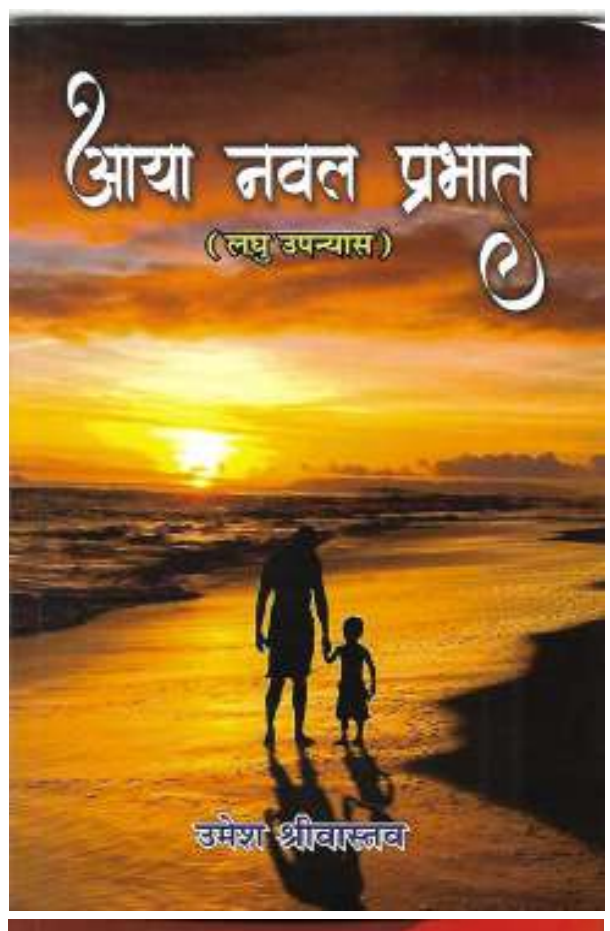

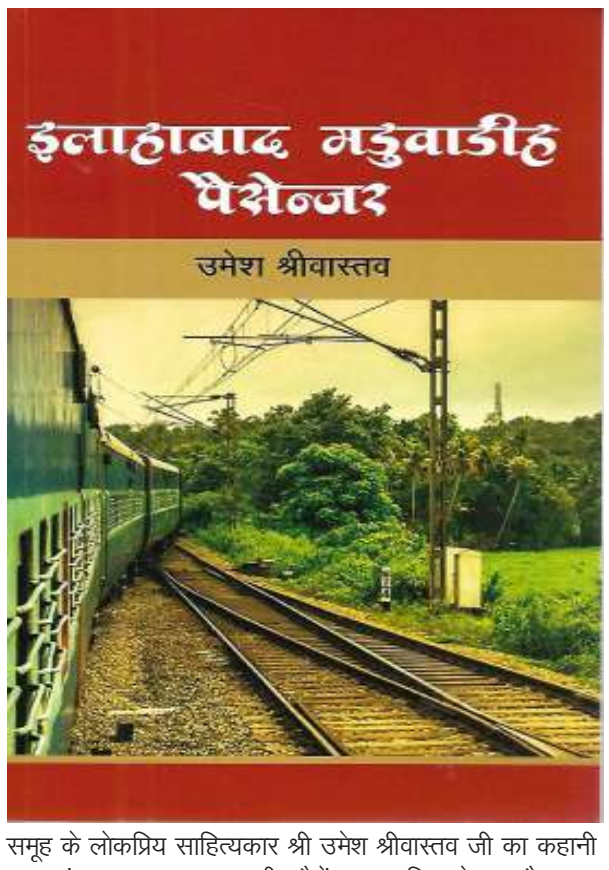

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

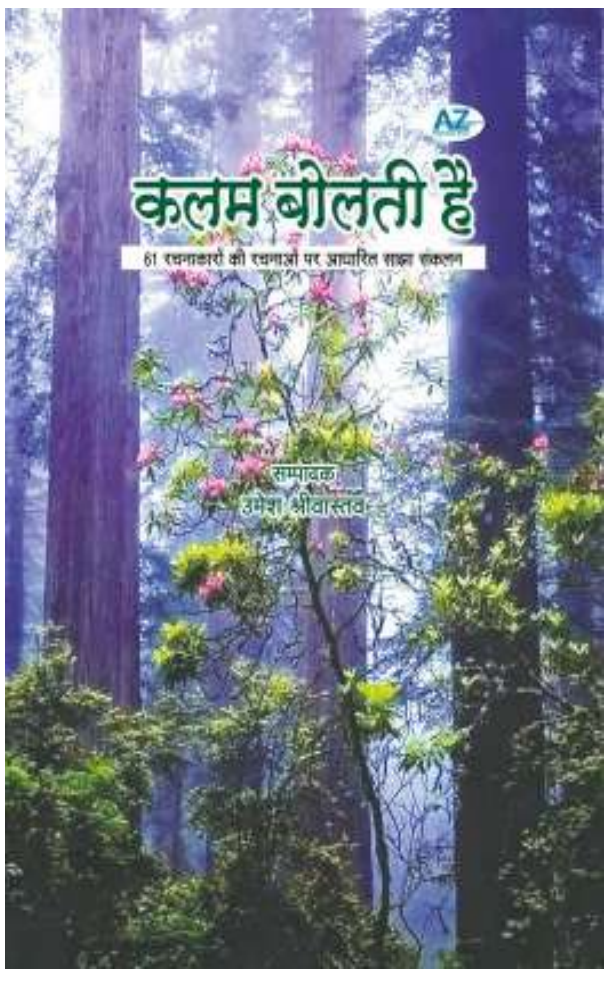

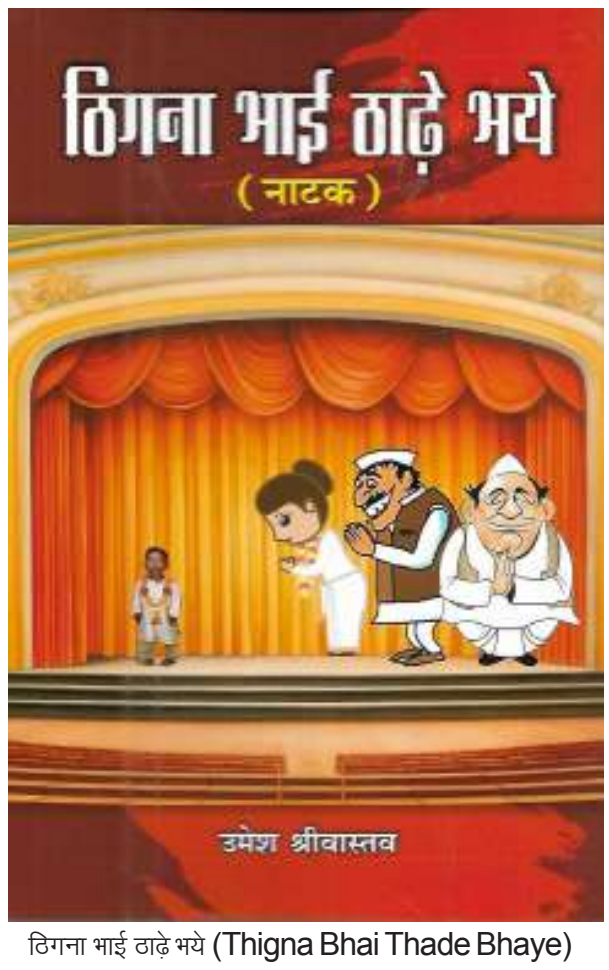

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के फोन कैमरे पर टेप लगा फोटो हुआ वायरल, सुरक्षा कदम या जासूसी का डर?

नई दिल्ली, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह स्मार्टफोन पर बात करते नजर आ रहे हैं। लेकिन

इस तस्वीर में सबसे ज्यादा ध्यान उनके फोन के पीछे लगे कैमरे पर गया, जिस पर टेप या स्टिकर लगा हुआ दिखाई दे रहा है। तस्वीर में नेतन्याहू काले रंग की जैकेट और सफेद शर्ट पहने हुए एक गहरे रंग की कार के पास खड़े होकर फोन पर बात कर रहे हैं। जैसे ही यह तस्वीर सामने आई, सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके फोन के कैमरे को कवर किए जाने पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। बिजनेस इंफ्लुएंसर और पॉडकास्ट होस्ट मारियो नॉफल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि नेतन्याहू ने अपने फोन कैमरे पर टेप क्यों लगाया है? वह किससे डर रहे हैं? अगर इस्राइल के प्रधानमंत्री को ऐसा करना पड़ रहा है, तो आम लोगों के लिए इसका क्या मतलब है?

'क्यूबा सरकार गिरने के कगार पर', वेनेजुएला से तेल-पैसे की सप्लाई रुकने से ट्रंप उत्साहित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि श्क्यूबा बहुत जल्दी असफल होने वाला है।श उन्होंने यह बयान इसलिए दिया क्योंकि वेनेजुएला– जो क्यूबा को तेल और धन देता था– अब मदद नहीं कर रहा है। जनवरी की शुरुआत में अमेरिका ने वेनेजुएला में एक सैन्य अभियान चलाया और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को एक ऑपरेशन में पकड़ लिया। ट्रंप का कहना है कि इसके बाद वेनेजुएला अब क्यूबा को तेल और पैसा नहीं भेज रहा है– और यही क्यूबा की अर्थव्यवस्था का बड़ा सहारा था। उन्होंने कहा कि क्यूबा श्असल में एक ऐसा देश है जो लगभग फेल होने वाला है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कहा कि वेनेजुएला में मादुरो की गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन थी। मानवाधिकार विशेषज्ञों ने ट्रंप की प्रतिक्रिया को साम्राज्यवाद जैसा बताया और कहा कि अमेरिका मुख्य रूप से तेल और सत्ता को नियंत्रित करने पर ध्यान दे रहा है। जब ट्रंप ने सुझाव दिया था कि कम्युनिस्ट शासित द्वीप को अमेरिका के साथ एक समझौता करना चाहिए, इस पर क्यूबा के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका के पास क्यूबा के साथ कोई नैतिक अधिकार नहीं है कि वह उसे किसी समझौते के लिए मजबूर करे। क्यूबा पहले से अर्थव्यवस्था संकट में है, बिजली कटौती और तेल की कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। मेक्सिको ने हाल ही में तेल सप्लाई रद्द कर दिया, जिससे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं। पर्यटन भी घट गया है, जिससे राजस्व में भारी गिरावट हुई है। अपने गहरे होते ऊर्जा और आर्थिक संकट में, क्यूबा मैक्सिको, रूस और – पहले – वेनेजुएला जैसे सहयोगियों से मिलने वाली विदेशी सहायता और तेल शिपमेंट पर काफी हद तक निर्भर रहा है।

अमेरिका में सर्दी का कहर: दक्षिणी राज्यों में बर्फीले तूफान से अंधेरे में जिंदगी, हालात और बिगड़ने की आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी राज्यों में राहत की उम्मीद कर रहे लोगों के लिए बुरी खबर है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आर्कटिक ठंडी हवाओं की एक और लहर जल्द दस्तक देने वाली है। पहले से ही बर्फ, जमाव और बड़े पैमाने पर बिजली कटौती से जूझ रहे इलाकों में हालात और बिगड़ सकते हैं। इस भीषण ठंड और बर्फीले हालात के कारण अब तक कम से कम 40 लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में एक निजी तालाब की बर्फ टूटने से 6, 8 और 9 साल के तीन भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। मैसाचुसेट्स और ओहायो में स्नोप्लो से कुचलकर मौत, जबकि अर्कांसस और टेक्सास में स्लेजिंग हादसों में किशोरों की जान चली गई। न्यूयॉर्क सिटी में ही ठंड के चलते आठ लोगों के शव खुले में पाए गए, जिससे हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। टेनेसी के नैशविल में रहने वाली लीसा पैटरसन ने सोचा था कि वह इस तूफान को अपने घर पर ही झेल लेंगी। लेकिन जब बिजली चली गई, पेड़ गिरकर ड्राइववे पर आ गिरे और लकड़ी का चूल्हा भी भीषण ठंड के आगे बेबस हो गया, तो उन्हें अपने पति और कुत्ते के साथ रेस्क्यू कर वॉर्मिंग शेल्टर ले जाया गया। पैटरसन ने कहा मैं बर्फ में फंसने की आदी हूं, लेकिन ऐसा पहले कभी नहीं देखा। न्यूयॉर्क शहर में भीषण ठंड और बर्फबारी के बीच अब तक कम से कम 10 लोगों की मौत हो चुकी है। क्वींस में एक व्यक्ति को बर्फ की परत के नीचे पार्क बेंच पर मृत पाया गया, मैनहट्टन के एक अस्पताल के पास एक और व्यक्ति मृत मिला, जबकि ब्रॉन्क्स में ऊंची ट्रेन लाइन के नीचे भी शव पाया गया। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के कारणों की जांच अभी जारी है, लेकिन कुछ में हाइपोथर्मिया के लक्षण देखे गए। अधिकतर मृतक बेघर बताए गए हैं। शहर के मेयर जोहरान मामदानी ने कहा कि ठंड की वजह से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बेघर सहायता कर्मचारी तैनात किए जा रहे हैं, नए वॉर्मिंग सेंटर खोले जा रहे हैं और अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि डिस्चार्ज सीमित करें ताकि जिनके पास रहने की जगह नहीं है, उन्हें सुरक्षित रखा जा सके।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ट्रंप ने फिर राष्ट्रपति पद की दावेदारी के दिए संकेत, आयोवा रैली में बड़ा बयान, चुनाव धांधली के आरोप दोहराए

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव 2026 होने जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को अपने उस पुराने दावे को दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धोखाधड़ी वाला था। मध्यावधि चुनावों को लेकर ट्रंप चुनावी प्रचार में जुट गए हैं। ऐसे में आयोवा रैली में ट्रंप ने फिर से श्धांधली वाले चुनावश का दावा दोहराया और समर्थकों में जोश भरने का काम किया। इतना ही नहीं उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत भी दिए हैं। आयोवा के क्लाइव में मंच से भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का जिक्र किया और कहा कि हमारे यहां धांधली वाला चुनाव हुआ था। इसी के साथ उन्होंने किफायती आवास के मुद्दे पर अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए आक्रामक रूप से प्रचार करने की योजना की रणनीति भी पेश की। अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माया हुआ है। इस बीच आयोवा रैली में ट्रंप ने महंगाई और जीवन–यापन की लागत जैसे मुद्दों पर अपनी सरकार की नीतियों का बचाव किया और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में जोरदार चुनाव प्रचार करने की बात कही। अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के कार्यकाल पर संवैधानिक सीमाओं के बावजूद पद पर एक और कार्यकाल की तलाश करने की संभावना का भी संकेत दिया। उन्होंने समर्थकों से पूछा, श्क्या हमें चौथी बार कोशिश करनी चाहिए?श बता दें कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकते है। ऐसे में ट्रंप का चौथी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के संकेत देश के अंदर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर सकता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप आने वाले महीनों में कई अहम राज्यों में चुनाव प्रचार करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियां करेंगे। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मैं बहुत ज्यादा चुनावी यात्राएं करने वाला हूं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी इतिहास में मध्यावधि चुनाव आमतौर पर सत्तारूढ़ राष्ट्रपति की पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा, श्मध्यावधि चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपतियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता है। इसके बावजूद ट्रंप पहले ही नॉर्थ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया और मिशिगन जैसे स्विंग स्टेट्स में चुनावी रैलियां कर चुके हैं, जिन्हें आगामी चुनावों में बेहद अहम माना जा रहा है। बता दें कि अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होंगे, जिसमें प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर मतदान होगा। इस चुनाव का परिणाम निर्णायक साबित होने की उम्मीद है, क्योंकि इससे कांग्रेस पर किसका नियंत्रण होगा? यह तय होगा और देश के शासन पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ेंगे। साथ ही यह भी निर्धारित होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने कार्यकाल के शेष समय में कितनी राजनीतिक शक्ति का प्रयोग कर पाएंगे। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने मिनियापोलिस से बॉर्डर पेट्रोल अधिकारी ग्रेगरी बोविनो और कई एजेंटों की वापसी को लेकर 'पीछे हटनेश के दावों को खारिज किया है। उन्होंने इसे एक सामान्य प्रशासनिक बदलाव करार दिया और बोविनो को श्कुछ अलग किस्म का आदमीश बताया। आयोवा में फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, श्मुझे नहीं लगता कि यह कोई यह पीछे हटना है , यह थोड़ा सा बदलाव है। उन्होंने इसे रोजमर्रा के प्रबंधन से जुड़ा फैसला बताते हुए कहा कि इस कमरे में जितने भी लोग काम करते हैं वे छोटे–छोटे बदलाव करते रहते हैं। बोविनो बहुत अच्छे हैं, लेकिन वह कुछ अलग किस्म के व्यक्ति हैं और कई बार यह ठीक होता है, शायद यहां यह ठीक नहीं रहा। ट्रंप का यह बयान उन रिपोर्टों के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि शनिवार को एलेक्स प्रेट्टी की गोली लगने से मौत के बाद बोविनो और कुछ एजेंटों को मिनियापोलिस से उनके मूल क्षेत्रों में वापस भेजा जा रहा है।

लश्कर के नापाक मंसूबे: क्या हमास से जुड़े पाक के आतंकी संगठन के तार? दहशत फैलाने साजिश, कमांडर ने साधा संपर्क!

एजेंसी/वैश्विक आतंकी संगठनों के बीच बढ़ते तालमेल को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा के एक वरिष्ठ कमांडर ने सार्वजनिक रूप से हमास के साथ अपने संबंधों को स्वीकार किया है। उसने हमास के शीर्ष नेताओं के साथ हुई मुलाकातों की पुष्टि भी की है। इससे अमेरिका की ओर से आतंकी घोषित इन दोनों संगठनों के बीच बढ़ते सहयोग को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) का कमांडर फैसल नदीम, जिसे लश्कर का राजनीतिक चेहरा माना जाता है। एक वीडियो में नदीम ने कबूल किया कि वह 2024 में कतर की राजधानी दोहा में हमास के वरिष्ठ नेताओं से मिला था। उसके साथ सैफुल्लाह कसूरी भी मौजूद था, जिसे जम्मू–कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। नदीम के मुताबिक, उन दोनों ने हमास नेता खालिद मशाल से मुलाकात की थी। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व के आतंकी नेटवर्क के बीच सीधे तालमेल का बड़ा सबूत है। एजेंसियों के अनुसार, यह खुलासा इस बात का सीधा सबूत है कि दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व में सक्रिय आतंकी नेटवर्क अब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गठबंधन हथियारों की सप्लाई, प्रोपेगेंडा फैलाने और एक–दूसरे के अनुभवों का फायदा उठाने के लिए बनाया गया है। यह जानकारी तब सामने आई है जब कुछ समय पहले ही पाकिस्तान के गुजरांवाला में हमास और लश्कर के नेताओं को एक साथ देखा गया था। सात जनवरी को पीएमएमएल ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में हमास का वरिष्ठ कमांडर नाजी जहीर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुआ था। वहीं, लश्कर कमांडर राशिद अली संधू ने एक राजनीतिक नेता के रूप में वहां हिस्सा लिया था। एक वीडियो में ये दोनों नेता एक ही मंच पर साथ बैठे दिखाई दिए थे। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि आतंकियों का इस तरह सरेआम साथ आना उनके बीच बढ़ते भरोसे और गहरे रिश्तों को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाजी जहीर अक्टूबर 2023 से अब तक करीब 15 बार पाकिस्तान का दौरा कर चुका है। आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञों का कहना है कि हमास और लश्कर के बीच किसी भी तरह का तालमेल क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है। खुफिया एजेंसियां इस नए गठबंधन पर कड़ी नजर रख रही हैं। भारत इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मंचों और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) जैसी संस्थाओं के सामने उठाने की तैयारी कर रहा है ताकि पाकिस्तान पर सख्त कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों का मानना है कि ये बैठकें एक बड़े वैचारिक और सैन्य गठबंधन की कोशिश हैं। इसमें आतंकियों को ट्रेनिंग देना, फंड जुटाना और सोशल मीडिया पर नफरत फैलाना शामिल हो सकता है। यह घटनाक्रम वैश्विक आतंकी नेटवर्क में एक बड़ा और चिंताजनक बदलाव है, जो भविष्य में सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ा सकता है।

अदियाला जेल में बड़ी बीमारी से जूझ रहे हैं इमरान खान, पीटीआई बोली- इलाज मिले और परिजनों से मिलने दें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। डॉन की

रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि इमरान खान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक बयान जारी कर इस मामले में गहरी चिंता जताई है। पीटीआई के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है कि इमरान खान की दाहिनी आंख में श्सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजनश की समस्या है। यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है जिसमें आंख की नस में खतरनाक ब्लॉकेज हो जाता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर इसका तुरंत और सही तरीके से इलाज नहीं हुआ, तो उनकी रोशनी हमेशा के लिए खत्म हो सकती है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि जेल अधिकारी इस गंभीर बीमारी को नजरअंदाज कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बीमारी के इलाज के लिए खास ऑपरेशन थिएटर और आधुनिक सुविधाओं की जरूरत है। इसके बावजूद जेल प्रशासन उन्हें अदियाला जेल के अंदर ही अंदर इलाज करने पर जोर दे रहे थे। पीटीआई ने इसे लापरवाही भरा रवैया बताया है। पार्टी का कहना है कि इमरान खान की सेहत और नजर दोनों बड़े खतरे में हैं। बयान में यह भी कहा गया कि इमरान खान को अक्टूबर 2024 के बाद से उनके निजी डॉक्टर से मिलने नहीं दिया गया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेशों के बाद भी उनकी मेडिकल जांच नहीं कराई गई। पार्टी ने बताया कि नियमित जांच की मांग वाली एक याचिका अगस्त 2025 से लंबित है। पीटीआई ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन और राजनीतिक बदला बताया है। इमरान खान के बनाए शौकत खानम अस्पताल ने भी उनकी सेहत पर चिंता जाहिर की है। अस्पताल ने मांग की है कि उनकी मेडिकल टीम को इमरान खान की जांच करने की अनुमति दी जाए। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वे उनकी भलाई के लिए उनकी देखभाल में शामिल होना चाहते हैं। दूसरी ओर, इमरान खान की बहनों ने इस खबर की सच्चाई पर सवाल उठाते हुए जेल के बाहर प्रदर्शन किया। अलीमा खानम और नोरीन खानम ने आरोप लगाया कि यह खबर जानबूझकर किसी एजेंसी ने लीक की है ताकि डर का माहौल बनाया जा सके। क्योंकि परिवार को इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। उजमा खानम ने बताया कि दो दिसंबर 2025 को हुई आखिरी मुलाकात में इमरान ने केवल आंख में इन्फेक्शन की शिकायत की थी, लेकिन तब उन्हें सिर्फ आई–ड्रॉप्स दी गई थीं। परिवार का कहना है कि उन्हें इमरान खान की असली हालत के बारे में कुछ नहीं पता है क्योंकि उन्हें जांच की इजाजत नहीं मिल रही है। परिवार का कहना है कि इमरान ढाई साल से जेल में केवल इसलिए हैं क्योंकि उन्होंने किसी भी डील के बदले रिहाई मांगने से इनकार कर दिया है।

AI-क्लाउड में बड़ा दांव: अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट के 15 नए डेटा सेंटर को मंजूरीय भारत समेत दुनिया पर पड़ेगा असर

माउंट प्लेजेंट, विस्कॉन्सिन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में अपने डाटा सेंटर नेटवर्क के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। विस्कॉन्सिन राज्य के माउंट प्लेजेंट गांव में पूर्व फॉक्सकॉन औद्योगिक स्थल के पास 15 नए डाटा सेंटरों की योजना को स्थानीय प्रशासन से सर्वसम्मत मंजूरी मिल गई है। यह फैसला केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत सहित उन सभी देशों पर पड़ेगा जहां माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड, एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक उपयोग होता है। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, गूगल व ओरेकल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियां इस समय एआई आधारित सेवाओं के लिए विशाल डाटा सेंटर तैयार करने की होड़ में हैं। इन केंद्रों में एनवीडिया चिप्स का इस्तेमाल कर बड़े जनरेटिव एआई मॉडल को प्रशिक्षित व संचालित किया जाता है। माउंट प्लेजेंट में अतिरिक्त डाटा सेंटर क्षमता माइक्रोसॉफ्ट को ओपनएआई व अन्य वैश्विक ग्राहकों से पहले से बुक किए गए राजस्व को औपचारिक रूप से मान्यता देने में मदद करेगी। भारत में एआई स्टार्टअप्स, क्लाउड सेवाओं और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़े उपयोगकर्ताओं के लिए यह विस्तार अप्रत्यक्ष रूप से सेवाओं की स्थिरता और स्केल को मजबूत करेगा। आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक प्रस्तावित डाटा सेंटर विकास परियोजनाओं का कुल करयोग्य मूल्य 13 अरब डॉलर से अधिक है। यह आंकड़ा संकेत देता है कि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर अब सिर्फ तकनीकी जरूरत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति बन चुका है। माउंट प्लेजेंट का यह इलाका पहले भी वैश्विक सुर्खियों में रह चुका है। साल 2017 में फॉक्सकॉन ने यहां 10 अरब डॉलर की फैक्ट्री और 13,000 नौकरियों का वादा किया था, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी समर्थन दिया था। इसके लिए गांव ने जमीन खरीदी और राज्य के करदाताओं के पैसे से बुनियादी ढांचा तैयार किया गया। लेकिन योजना पूरी तरह साकार नहीं हो सकी। 2023 तक फॉक्सकॉन ने पूरे विस्कॉन्सिन में केवल 1,000 लोगों को रोजगार दिया और गांव पर 250 मिलियन डॉलर से अधिक का वित्तीय बोझ आ गया। इसी पृष्ठभूमि में माइक्रोसॉफ्ट की परियोजना को अधिक यथार्थवादी और स्थायी निवेश के रूप में देखा जा रहा है।

इराक में पूर्व पीएम अल-मलिकी की सियासी वापसी? ट्रंप ने ईरान का जिक्र कर क्यों दी चेतावनी

एजेंसी/अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इराक में पूर्व प्रधानमंत्री अल–मलिकी की सियासी वापसी की संभावनाओं से जुड़े सवाल पर चौंकाने वाला जवाब दिया है। ट्रंप ने ईरान का जिक्र कर चेतावनी दी है। उन्होंने ईरान के बढ़ते प्रभाव की चिंताओं के बीच पूर्व पीएम अल–मलिकी को इराक की सत्ता में वापस लाने के

प्रयासों के खिलाफ आगाह किया। ट्रंप ने कहा, अगर उसके पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल–मलिकी सत्ता में वापस आते हैं, तो अमेरिका अब उस देश का समर्थन नहीं करेगा। अल–मलिकी के विरोध का एलान करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी लिखा। पश्चिम एशिया के हालात बीते लगभग दो वर्षों से चिंताजनक हैं। अक्तूबर, 2023 में हुए हमास के लड़ाकों के नृशंस हमले के बाद से इस्राइली सेना गाजा में लगातार हमले कर रही है। विगत 27 महीने में अब तक 71,600 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। लाखों लोग हताहत हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास और इस्राइल के बीच हो रहे टकराव के बीच गाजा में पुनर्वास और ईरान में सैन्य कार्रवाई को लेकर कई चौंकाने वाले बयान दिए हैं। ऐसे में इराक को लेकर उनका हालिया बयान राजनीतिक गलियारों में नई बहस को जन्म दे सकता है।

बांग्लादेश-चीन रक्षा सहयोग को नई मजबूती, UAV निर्माण संयंत्र स्थापित करने पर हुआ समझौता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश और चीन के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करते हुए मंगलवार को एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के तहत बांग्लादेश में मानवरहित हवाई वाहनों (UAV) के निर्माण और असेंबली के लिए एक आधुनिक संयंत्र स्थापित किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने इसे देश की रक्षा क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

यह करार बांग्लादेश एयर फोर्स (BAF) और चीन की सरकारी कंपनी चाइना इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी ग्रुप कॉर्पोरेशन इंटरनेशनल (CETC) के बीच हुआ।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना में दोनों पक्ष मिलकर अत्याधुनिक UAV विकसित करेंगे। समझौते के तहत ब्ज्ब् बांग्लादेश एयर फोर्स को तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे भविष्य में बांग्लादेश स्वयं न्।ट का उत्पादन करने में सक्षम हो सकेगा। इसे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इन ड्रोन विमानों का इस्तेमाल केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आपदा प्रबंधन, राहत कार्य और मानवीय सहायता जैसे कार्यों में भी किया जाएगा।

शुरुआती चरण में बांग्लादेश मीडियम एल्टीट्यूड लो एंड्योरेंस (MALE) UAV और वर्टिकल टेक–ऑफ एंड लैंडिंग (VTOL) ड्रोन के निर्माण और असेंबली की क्षमता हासिल करेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।